बुधवार
18 सितम्बर 2024

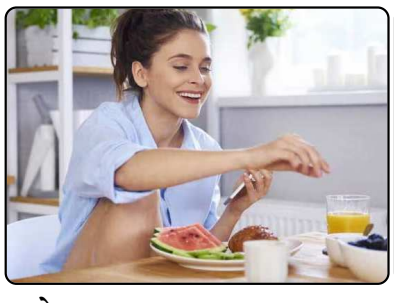

पृष्ठ 4

ब्रेकफास्ट छोड़ दिया तो कभी कम नही..

पृष्ठ 5

शो जीजी मां की टीम के साथ फिर से जुड़ीं..

● देहरादून
● वर्ष 32
● अंक 221
● पृष्ठ 8
● मूल्य ₹ 1.00

आज का विचार

विद्या कामधेनु के समान है। व्यक्ति विद्या हासिल कर उसका फल कहीं भी प्राप्त कर सकता है।
— चाणक्य

दूनवैलीमेल

सांध्य दैनिक
डीएवीपी से मान्यता प्राप्त

आर.एन.आई.- 59626/94
email: doonvalley_news@yahoo.com Website: dunvalleymail.com

सीएस ने की कलेक्शन सेन्टर की वास्तविक उपयोगिता के सम्बन्ध में रिपोर्ट तलब

संवाददाता

देहरादून। मुख्य सचिव श्रीमती राधा रातूडी ने प्रदेश भर के सभी कलेक्शन सेन्टर की वास्तविक उपयोगिता के सम्बन्ध में रिपोर्ट तलब की।

आज यहां मुख्य सचिव श्रीमती राधा रतूड़ी ने प्रदेशभर के सभी कलेक्शन सेन्टर की वास्तविक उपयोगिता के सम्बन्ध में रिपोर्ट तलब की है। उन्होंने सभी कलेक्शन सेन्टर की लोकेशन मैपिंग, उनके संचालन की स्थिति, वर्तमान में उनका कितना वास्तविक उपयोग हो रहा है, इस पर एक विस्तृत रिपोर्ट सम्बन्धित विभाग से मांगी है। मुख्य सचिव ने आरईएपी (ग्रामीण उद्यम वेग वृद्धि परियोजना) के तहत वेसाइड एमेनीटिस एवं क्लेक्शन सेन्टर निर्माण की इकाई दरों के संशोधन के प्रस्ताव पर भी अनुमोदन दिया।

उन्होंने कृषि विभाग को पर्वतीय फसलों, दालों व मिलेट के सर्टिफाइड बीजों के उत्पादन में किसानों को आत्मनिर्भर बनाने के प्रोजेक्ट पर अनुमोदन देते हुए आरईएपी के तहत इस क्षेत्र में 400 उद्यमियों को तैयार करने लक्ष्य समयबद्धता से पूरा करने के निर्देश दिए हैं। इसके साथ ही मुख्य सचिव ने तेजपत्ता के दोहन व वैल्यू एडिशन की वैश्विक पद्धतियों का भीमताल व ओकलकान्डा ब्लॉकों में

विस्तार करते हुए 500 उद्यमी तैयार करने, बकरी की नस्ल एवं मूल्य श्रृखंला उत्पाद विकास के तहत 728 उद्यमी तैयार करने, रेशम विभाग की सहायता से दून सिल्क धरोहर संरक्षण के तहत 300 उद्यमी तैयार करने, मुर्गीपालन हेतु मदर यूनिट व रियरिंग यूनिट स्थापना के माध्यम से 503 उद्यमी तैयार करने, मशरूम कम्पोस्ट व उत्पादन इकाई के तहत 402 उद्यमी तैयार करने के कुल 6033. 59 लाख रूपये के प्रस्तावों पर अनुमोदन दिया।

मुख्य सचिव ने महिलाओं के कार्य के बोझ को कम करने के उद्देश्य से 2000 ग्राम संगठनों को राष्ट्रीय निविदा के माध्य से छोटे व उन्नत कृषि/उद्यान यंत्रों के वितरण के प्रस्ताव को अनुमोदित करते हुए इस सम्बन्ध में विभाग को निर्देश दिए हैं कि फार्मिंग यंत्रों के वितरण से महिलाओं के कार्य कितना बोझ कम हुआ है, इस सम्बन्ध में एक अध्ययन रिपोर्ट तैयार की जाए।

सचिवालय में आरईएपी(ग्रामीण उद्यम वेग वृद्धि परियोजना) की चौथी उच्चाधिकार प्राप्त समिति (एचपीसी) की बैठक मुख्य सचिव श्रीमती राधा रतूड़ी की अध्यक्षता में सम्पन्न हुई। बैठक में सचिव श्रीमती राधिका झा, धीराज गर्ब्याल, अपर सचिव मनुज गोयल, विनीत कुमार सहित सभी उपायुक्त व वरिष्ठ अधिकारी मौजूद रहे।

90 लाख की स्मैक सहित बरेली का नशा तस्कर गिरफ्तार

हमारे संवाददाता

देहरादून। नशे के खिलाफ चलाये जा रहे अभियान के तहत एसटीएफ की एंटी नार्कोटिक्स टास्क फोर्स को खासी सफलता हाथ लगी है। एंटी नार्कोटिक्स टास्क फोर्स ने बरेली के एक नशा तस्कर को गिरफ्तार कर उसके पास से 90 लाख रूपये की स्मैक बरामद की है।

वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक एसटीएफ नवनीत भुल्लर ने बताया कि बीती शाम एक सूचना के आधार पर एंटी नारकोटिक्स कुमाऊं यूनिट द्वारा थाना किच्छा क्षेत्र में स्थानीय पुलिस को साथ लेकर संयुक्त कार्यवाही करते हुए दरऊ रोड पर मोक्ष द्वार पुराना ईट भट्टा के सामने से एक

व्यक्ति हामीद रजा पुत्र अहमद रजा निवासी वीर सावरकर नगर, ढेला पीर थाना इज्जतनगर बरेली लेकर आया था। जिसको आज रुद्रपुर में बेचने जा रहा था। टीम द्वारा पूछताछ में अन्य कई ड्रग्स तस्करों के नाम की जानकारी हुई है जिन पर अलग से कार्यवाही की जायेगी।

उत्तर प्रदेश को करीब 323 ग्राम स्मैक व तस्करी में प्रयुक्त बाइक के साथ गिरफ्तार किया गया। जिसके द्वारा पूछताछ पर बताया गया कि बरामद की गयी स्मैक को वह उत्तर प्रदेश के बरेली से था। बरामद स्मैक की कीमत 90 लाख रूपये बतायी जा रही है।

एसटीएफ एसएसपी के अनुसार तस्करी के धन्धे में लिप्त् आरोपी विगत 2 सालों से बरेली, मीरगंज से स्मैक लाकर रुद्रपुर, सितारगंज, किच्छा छेत्र में अपने फिक्स एजेण्टों को सप्लाई कर रहा

कांग्रेस ने हरियाणा की जनता को दी 7 गारंटी !

नई दिल्ली। हरियाणा में होने वाले विधानसभा चुनाव से पहले कांग्रेस पार्टी ने अपना घोषणा पत्र जारी कर दिया है। इस घोषणा पत्र को कांग्रेस ने गारंटी पत्र का नाम दिया है जिसमें कई मुद्दों को पूरा करने की गारंटी दी गई है। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने हरियाणा विधानसभा चुनावों के लिए पार्टी के घोषणापत्र के हिस्से के रूप में गारंटी जारी की। कांग्रेस ने हरियाणा की जनता को सात गारंटी दी है। इसके लिए पार्टी 300 यूनिट मुफ्त बिजली और 25 लाख रुपये तक के मुफ्त इलाज की पेशकश कर रही है। युवाओं के लिए सुरक्षित भविष्य पार्टी ने 2 लाख रिक्त पदों पर भर्ती और नशा मुक्त हरियाणा पहल का वादा किया है। महिलाओं के लिए सशक्तीकरण इसके लिए पार्टी ने हर महीने 2,000 रुपये और 500 रुपये में गैस सिलेंडर देने का वादा किया है। सामाजिक सुरक्षा को मजबूत करना पार्टी ने 6,000 रुपये वृद्धावस्था पेंशन, 6,000 रुपये विकलांग पेंशन, 6,000 रुपये विधवा पेंशन और पुरानी पेंशन योजना (ओपीएस) को बहाल करने का वादा किया। पिछड़े वर्गों के लिए अधिकार पार्टी ने वादा किया कि वह जाति जनगणना कराएगी और क्रीमी लेयर की सीमा को बढ़ाकर 10 लाख रुपये करेगी। किसानों के लिए समृद्धि पार्टी ने न्यूनतम समर्थन मूल्य) की कानूनी गारंटी और तत्काल फसल मुआवजे का वादा किया। पार्टी ने 100 गज का प्लॉट और 3.5 लाख रुपये की लागत वाला 2 कमरों का घर देने का भी वादा किया है।

'वन नेशन वन इलेक्शन' के प्रस्ताव को मोदी कैबिनेट ने दी मंजूरी!

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता वाली केंद्रीय कैबिनेट से 'वन नेशन वन इलेक्शन' यानी 'एक राष्ट्र, एक चुनाव' के प्रस्ताव को मंजूरी मिल गई है। सूत्रों ने बताया कि मोदी कैबिनेट ने बुधवार को बैठक में इस प्रस्ताव को मंजूरी दे दी। हालांकि इस संबंध में अभी सरकार की तरफ से कोई आधिकारिक बयान सामने नहीं आया है। वन नेशन, वन इलेक्शन पर पूर्व राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद की अध्यक्षता वाली कमेटी ने यह रिपोर्ट कैबिनेट के सामने पेश की है। इसके कैबिनेट ने 'एक राष्ट्र एक चुनाव' पर रामनाथ कोविंद की रिपोर्ट को मंजूरी दे दी है।

'एक राष्ट्र, एक चुनाव' विधेयक अब संसद के आगामी शीतकालीन सत्र

में पेश किए जाने की संभावना है। एक दिन पहले केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने मंगलवार को कहा था कि भारतीय जनता पार्टी के नेतृत्व वाली एनडीए सरकार अपने मौजूदा कार्यकाल में ही 'एक राष्ट्र, एक चुनाव' को लागू करेगी। पूर्व राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद की अध्यक्षता में गठित एक उच्च स्तरीय समिति ने इस साल मार्च में पहले कदम के रूप में लोकसभा और राज्य विधानसभाओं के लिए एक साथ चुनाव कराने की सिफारिश की थी। समिति ने लोकसभा और विधानसभा चुनाव के 100 दिन के भीतर स्थानीय निकाय चुनाव कराए जाने की भी सिफारिश की। इसके अलावा, विधि आयोग द्वारा सरकार के सभी तीन स्तरों लोकसभा, राज्य विधानसभाओं और स्थानीय निकायों जैसे नगर पालिकाओं और पंचायतों के लिए 2029 से एक साथ चुनाव कराने की सिफारिश किए जाने की संभावना है। वह त्रिशंकु सदन या अविश्वास प्रस्ताव पारित होने की स्थिति में एकता सरकार का प्रावधान करने की सिफारिश भी कर सकता है। कोविंद समिति ने एक साथ चुनाव कराने की व्यवस्था लागू करने के लिए कोई समय सीमा तय नहीं की।

दून वैली मेल

संपादकीय

बुलडोजर पर ब्रेक

सत्ता की ताकत का प्रतीक बन चुके बुलडोजर की कार्यवाही पर सुप्रीम कोर्ट ने पूरे देश में 1 अक्टूबर तक रोक लगा दी है। बुलडोजर की कार्यवाही पर लगी इस अल्पकालिक रोक से नि:संदेह उन लोगों को थोड़ी राहत जरूर मिली होगी जिन्हें फिलहाल यह लग रहा होगा कि पता नहीं कब बुलडोजर आकर उनके आशियाने को मिट्टी में मिला देगा। अभी इस मामले की पिछली सुनवाई के दौरान जब सुप्रीम कोर्ट द्वारा चिंता जताई गई थी तब उसके बाद योगी सरकार के एक मंत्री ने कहा था कि बुलडोजर चलता रहेगा। बीते कल भी जब सुप्रीम कोर्ट में सरकार का पक्ष रखते हुए सालीसिटर तुषार मेहता ने यह दलील दी कि इस पर रोक लगाकर शासन-प्रशासन के काम को नहीं रोका जाना चाहिए तो पीठ का कहना था कि अगर 15 दिन के लिए कार्यवाही को रोक दिया जाएगा तो कोई आसमान धरती पर नहीं गिर जाएगा। इस मामले में कोर्ट द्वारा यह साफ किया जा चुका है कि शासन-प्रशासन द्वारा की जाने वाली यह बुलडोजर कार्यवाही असंवैध ानिक है। भले ही किसी आरोपी पर अपराध सिद्ध भी क्यों न हो जाए उसका घर गिराने का अधिकार किसी के पास नहीं है। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ द्वारा शुरू की गई यह बुलडोजर की कार्यवाही सत्ता ने अपनी ताकत का प्रतीक बना लिया था। योगी को लोग बाबा बुलडोजर के नाम से जानने लगे थे व उनका बुलडोजर समाज में भय का प्रतीक बन चुका था स्थिति ऐसी हो चली थी कि लोग सरकारी कार्यक्रमों तक में शक्ति के रूप में बुलडोजर का प्रदर्शन करने में लगे थे। उत्तर प्रदेश में इस बुलडोजर का प्रयोग और उसका असर ऐसा कुछ हुआ कि तमाम भाजपा शासित राज्यों की सरकारों ने इस बुलडोजर की संस्कृति का अनुसरण शुरू कर दिया। बुलडोजर को लेकर सत्ता पक्ष व विपक्ष के नेताओं के बीच वाद-विवाद तो आए दिन की बात हो गई। सुप्रीम कोर्ट में इसे लेकर दायर की गई तमाम याचिकाओं में इस बात का भी जिक्र किया गया है कि इसका इस्तेमाल एक समुदाय विशेष के खिलाफ किया जा रहा है। कोर्ट का कहना है कि अभी वह सिर्फ बुलडोजर की कार्यवाही पर बात कर रहे हैं इस पर बाद में विचार किया जाएगा। एक आम आदमी को इस बात की नसीहत दी जाती है कि वह कानून को अपने हाथ में न ले क्योंकि कानून और इंसाफ के लिए न्यायपालिका है। तब क्या किसी भी सरकार और प्रशासन को इस बात का अधि कार है कि किसी भी व्यक्ति पर आरोप लगते ही वह सजा के तौर पर उसके घर पर बुलडोजर चला कर ध्वस्त कर दें कई मामले ऐसे भी सामने आए हैं जब आरोपी को अपना पक्ष रखने या अपने घर को बुलडोजर की कार्रवाई से बचाने के लिए न्यायपालिका की शरण में जाने तक का मौका भी नहीं दिया गया है। आरोपी हिरासत में है और उस पर लगे आरोप सही है या गलत है इसका फैसला होने से भी पहले उसके घर पर बुलडोजर की कार्यवाही कर दी जाती है। दरअसल घर बनाने के संघर्ष और घर उजड़े जाने की पीड़ा को एक आम आदमी ही समझ सकता है। जिसे एक घर बनाने में पूरी जिंदगी का संघर्ष करना पड़ता है। और अगर किसी एक भी ऐसे व्यक्ति को जो निर्दोष है तथा उसकी घर भी वैधानिक रूप से बनाया गया हो उसे बुलडोजर की कार्यवाही का शिकार होना पड़ता है तो यह न सिर्फ असंवैधानिक है बल्कि अत्यंत ही दुखद भी है। खैर फिलहाल सुप्रीम कोर्ट द्वारा इस बुलडोजर की कार्यवाही पर अगली सुनवाई तक ही रोक लगाई गई है। फाइनल फैसला जब आएगा तभी यह पता चल सकेगा कि इस असंवैधानिक कार्य पर पूर्ण प्रतिबंध लगता है या नहीं।

पुलिस चौकी से मोटरसाईकिल चोरी करने वाले दो गिरफ्तार

संवाददाता

देहरादून। एमवी एक्ट में सीज मोटरसाईकिल चोरी करने वाले दो लोगों को पुलिस ने गिरफ्तार कर उनके खिलाफ मुकदमा दर्ज कर उनको न्यायालय में पेश किया जहां से उनको न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया।

प्राप्त जानकारी के अनुसार हरर्बटपुर पुलिस द्वारा एक मोटरसाईकिल को चैकिंग के दौरान एमवी एक्ट में सीज कर दिया। थोडी देर बाद जब पुलिस कर्मी बाहर आये तो सीज की गयी मोटरसाईकिल अपने स्थान से गायब थी। मोटरसाईकिल गायब होने से पुलिस में हडकम्प मच गया। पुलिस ने आसपास के सीसीटीवी कैमरों को खंगाला तो महत्वपूर्ण जानकारी हासिल हुई। जिसके बाद चोरी की मोटरसाईकिल के साथ दो लोगों को गिरफ्तार कर लिया। पूछताछ में उन्होंने अपने नाम गुलफाम पुत्र लियाकत उर्फ भूरा व तौशीफ पुत्र इखलाख दोनों निवासी खुशहाल पुर सहसपुर बताया। पुलिस ने दोनों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर उनको न्यायालय में पेश किया जहां से उनको न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया।

विश्वे देवा: शास्तन मा यथेह होता वृतो मनवै यन्निषद्य।'
'प्र मे ब्रूत भागधेयं यथा वो येन पथा हव्यमा वो वहानि।।'
(ऋग्वेद १०-५२-१)

हे दैविक शक्तियों ! मुझे बताएं कि मैं किस प्रकार यज्ञ के होता के रूप में कार्य करूं । यहां बैठकर आपको किस प्रकार में संबोधित करूं ? मेरा जो भाग आपने निश्चित किया है वह भी बताएं। मैं किस मार्ग से तुम्हें हवि पहुंचाऊं यह भी बताएं।

मांगों को लेकर इंटक का सचिवालय कूच

संवाददाता

देहरादून। अपनी मांगों को लेकर राष्ट्रीय मजदूर कांग्रेस (इंटक) का सचिवालय कूच। पुलिस ने बैरकेडिंग लगाकर उनको रोक दिया। जहां से उन्होंने जिला प्रशासन के माध्यम से मुख्यमंत्री को ज्ञापन प्रेषित किया।

आज यहां राष्ट्रीय मजदूर कांग्रेस इंटक के कार्यकर्ता कांग्रेस भवन में एकत्रित हुए। जहां से उन्होंने सचिवालय के लिए कूच किया। जैसे ही वह सचिवालय के पास पहुंचे पुलिस ने उनको बैरकेडिंग लगाकर रोक दिया। जिससे उनके व पुलिस के बीच नोंक झोंक हुई जिसके बाद वह वहीं पर धरने पर बैठ गये। एसडीएम ने मौके पर पहुंच उनका ज्ञापन लिया। ज्ञापन में उन्होंने कहा कि उत्तराखण्ड में जमीनो की भू माफियाओ व प्रभावशाली व्यक्तियों द्वारा मनमाने ढंग से की जा रही लूट पर अंकुश लगाये जाने हेतु हिमाचल प्रदेश की तर्ज पर कठोर भू कानून बनाते हुए प्रदेश में लागू किया जाये। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार के विभिन्न विभागों में दस वर्षो से अधि क कार्यरत दैनिक वेतनभोगी संविदा कर्मचारियों का नियमितीकरण सुनिश्चित किया जाये। उन्होंने कहा कि स्मार्ट सिटी प्रोजेक्ट व स्वच्छता अभियान के अन्तर्गत किये गये खर्चो की उच्च स्तरीय जांच कराने व दोषियों के विरूद्ध दण्डात्मक कार्यवाही सुनिश्चित की जाये। उन्होंने कहा कि केदारनाथ मन्दिर में चढावे का हजारों करोडों के सोने को पीतल में बदल कर गायब दिया गया उसकी वह सीबीआइ जांच की मांग करते है। उन्होंने कहा कि प्रदेश की नदियों में प्रतिवर्ष हो रहे भारी अवैध खनन पर अंकुश लगाने व सरकारी भूमि पर हो रहे अवैध कब्जों को रोकने हेतु प्रभावी कार्यवाही करायी जाएं एवं प्रदेश को करोडों रूपये की राजस्व हानि से बचाने हेतु कठोर कार्यवाही की जाये।

कांग्रेसियों ने फूंका गायकवाड का पुतला

संवाददाता

देहरादून। राहुल गांधी के खिलाफ हिंसात्मक बाते करने पर कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने शिवसेना सांद संजय गायकवाड का पुतला फूंका।

आज यहां भारूवाला ग्रांट के अंतर्गत मोहब्बेवाला चौक पर ऑल इंडियन कांग्रेस संगठन के प्रदेश अध्यक्ष पीयूष गौड़ एवं पूर्व महानगर अध्यक्ष लालचंद शर्मा के नेतृत्व में राहुल गांधी के विरुद्ध हिंसात्मक बातें करने वाले शिवसेना(शिंदे) विधायक संजय गायकवाड के खिलाफ कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने प्रदर्शन कर गायकवाड का पुतला फुंका। इस अवसर पर महानगर के पूर्व अध्यक्ष लालचंद शर्मा ने कहा कि राहुल गांधी के खिलाफ जो लोग अनर्गल बातें कर रहे हैं वह अपनी छोटी मानसिकता का परिचय दे रहे हैं अभी तक ना तो इन पर कोई कानूनी कार्रवाई हुई है ना ही इनके खिलाफ कोई एफआईआर दर्ज हुई है। इस अवसर पर संगठन के प्रदेश अध्यक्ष पीयूष गौड़ ने कहा कि भाजपाई नेता पहले तो कांग्रेसी नेता राहुल गांधी को आतंकवादी कहते हैं फिर उन्हें मारने की व जीभ काट के लाए जाने की धमकी दी जाती है, इससे देश में अराजकता व भय का माहौल बन रहा है। इस मुद्दे पर शीघ्र से शीघ्र कानूनी कार्यवाही होनी चाहिए और संजय गायकवाड को शीघ्र से शीघ्र सलाखों के पीछे डाल देना चाहिए। इस अवसर पर रमेश कुमार मंगू (पार्षद), मोहन गुरुंग (पार्षद), ललित थापा, गौरव चौधरी, टीटू त्यागी, शमशेर अली, नंदन नेगी, बसंत थापा, सूरत सिंह लांबा, वीके अरोड़ा, नाजीर खान, विजय कुमार, राम बहादुर तमांग (सेवादल), जावेद अली, वसीम अली, नरेश, सुदामा, इमरान, रिंकू, ऋतिक, संदीप कुमार, सोनू कुमार, राजू, देव कुमार थापा, आसाराम, सुरेंद्र सिंह थापा आदि प्रमुख रूप से उपस्थित थे।

सुप्रीम कम्पनी के नाम पर नकली पाईप बेचने पर एक गिरफ्तार

संवाददाता

देहरादून। सुप्रीम कम्पनी के नाम पर नकली पाईप बेचने पर पुलिस ने दुकानदार को गिरफ्तार कर उसके खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार दरोगा विवेक भण्डारी ने सहसपुर थाने में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि आज अमित दुबे पुत्र राम प्रसाद दुबे निवासी शनि बसंत एनक्लेव सेक्टर 117 मोहाली थाना बलोंगी पंजाब व श्रीमती रचना कपूर पत्नी बबिश कपूर निवासी शनि बसंत एनक्लेव सेक्टर 117 मोहाली थाना बलोंगी पंजाब चौकी धर्मावाला आये व सूचना दी कि गुरुकृपा इंटरप्राइजेज सहारनपुर रोड फतेहपुर के मालिक अरविंदर सिंह पुत्र गुरुदेव सिंह निवासी फतेहपुर थाना सहसपुर देहरादून द्वारा उनकी अधिकृत सुप्रीम कंपनी के नाम से नकली सीपीवीसी पाइप बेचे जा रहे है।

इस सूचना पर टीम गठित कर वह कंपनी के अमित दुबे व श्रीमती रचना कपूर को साथ लेकर गुरुकृपा इंटरप्राइजेज सहारनपुर रोड फतेहपुर पहुंचे तो अन्दर बैठे व्यक्ति से उसका नाम पता पूछा तो उसने अपना नाम अरविंदर सिंह पुत्र गुरुदेव सिंह निवासी गुरु कृपा इंटरप्राइजेज फतेहपुर थाना सहसपुर देहरादून और स्वयं को दुकान का मालिक होना बताया। उसने गुरु कृपा इंटरप्राइजेज दुकान की तलाशी ली तो दुकान के अंदर बेसमेंट से सफेद रंग के प्लास्टिक का 01 कट्टा मिला जिसे एक किनारे से खोलकर चेक किया तो कटटे के अंदर सफेद रंग के एक इंच के 40 पाइप है जिस पर अंग्रेजी में सुप्रीम ग्रीन लाइन अंकित है, बरामद हुआ तथा दुकान से लगभग 50 मी. पीछे गोदाम को चेक किया तो गोदाम से सफेद रंग के प्लास्टिक के 10 कटटे बराबद हुए, जिन्हें खोलकर चेक किया तो 5 कटटो के अंदर सफेद रंग के एक इंच के पाइप है प्रत्येक कट्टे में 40 पाइप है, जिस पर अंग्रेजी में सुप्रीम ग्रीन लाइन अंकित है, इस प्रकार 6 कटटो में 1 इंच के 240 पाइप है तथा 5 कटटो के अंदर सफेद रंग के पौन इंच के पाइप है प्रत्येक कट्टे में 50 पाइप है,बरामद माल को कंपनी के अमित दुबे उपरोक्त व श्रीमती रचना कपूर उपरोक्त द्वारा शिनाख्त कर नकली होना बताया। पुलिस ने दुकानदार को गिरफ्तार कर माल कब्जे में लेकर उसके खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है।

युध्रा से सिद्धांत चतुर्वेदी और मलविका मोहनन का नया पार्टी एंथम सोहनी लगदी रिलीज

तैयार हो जाइए वॉल्यूम बढ़ाने और डांस फ्लोर पर धमाल मचाने के लिए। सिद्धांत चतुर्वेदी और मालविका मोहनन स्टारर फिल्म युध्रा का मच अवेटेड क्लब एंथम सोहनी लगदी रिलीज हो गया है, और ये बिल्कुल वैसा ही है जैसा आपने सोचा था, सच कहा जाए तो उससे भी कहीं ज्यादा! सिद्धांत और मालविका की जबरदस्त जोड़ी से सजा ये ट्रैक सभी के लिए नया पार्टी सॉन्ग बनाने के लिए तैयार है।

एक्शन से भरपूर ट्रेलर और एक्साइटिंग फर्स्ट सॉन्ग साथिया के बाद, सोहनी लगदी की रिलीज सभी के लिए कभी न भूलने वाले सफर का वादा करती है। अपनी कैंची बिट्स और जबरदस्त रिदम के साथ, यह ट्रैक किसी भी पार्टी या नाइट आउट के लिए हाई एनर्जी और व्हाइट परफेक्ट रखने के लिए बनाई गई है।

बॉस्को-सीजर के कोरियोग्राफी में सिद्धांत और मालविका सोहनी लगदी में अपना बेस्ट देते नजर आ रहे हैं, एक ऐसी परफॉर्मेंस जो एनर्जी से भरपूर है। प्रेम और हरदीप द्वारा कंपोज और जाज धामी और सोना रेले द्वारा गाए गए इस गाने में एनर्जेटिक बीट्स और राज रंजोध के आकर्षक बोल हैं। यह आपको थिरकने और झूमने के लिए बनाया गया है, ताकि यह आपकी प्लेलिस्ट और डांस फ्लोर पर उभरकर नजर आए।

इन टैलेंटेड आर्टिस्टों के बीच टीमवर्क परफेक्ट है, जो एनर्जी और आकर्षण का ऐसा मिश्रण तैयार करती है, जिसे नजरअंदाज करना मुश्किल है। चाहे आप दोस्तों के साथ नाइट आउट के लिए तैयार हों या अपना मूड लिफ्ट करना चाहते हों, सोहनी लगदी है परफेक्ट ट्रैक जो मूड सेट करेगा। तो इंतजार मत करो-बटन दबाओ, रिलैक्स हो जाओ, और रिदम का मजा लो। एक्सेल एंटरटेनमेंट के बैनर तले रितेश सिधवानी और फरहान अख्तर द्वारा निर्मित, युध्रा 20 सितंबर को सिनेमाघरों में रिलीज होने के लिए तैयार है। फिल्म में गजराज राव, राम कपूर, राज अर्जुन और राघव जुयाल सहित कई शानदार सहायक कलाकार भी हैं।

घटी थलपति विजय फिल्म द ग्रेटेस्ट ऑफ ऑल टाइम की कमाई

थलपति विजय और निर्देशक वेंकट प्रभु की द ग्रेटेस्ट ऑफ ऑल टाइम (गोट) ने अपने रिलीज के दिन 126.32 करोड़ की जबरदस्त कमाई के साथ बॉक्स ऑफिस पर खाता खोला था. जिसके बाद फिल्म की कमाई में भारी गिरावट देखी है. गौरतलब है कि गोट का पहले दिन का वर्ल्डवाइड बॉक्स ऑफिस कलेक्शन विजय की 2023 में रिलीज होने वाली लियो से रहा. सेवन स्क्रीन स्टूडियो के मुताबिक लियो ने पहले दिन 148.5 करोड़ रुपये का कलेक्शन किया था. फिल्म को दर्शकों ने सराहा है और थलपति विजय की पिछली फिल्म में उनके परफॉर्मेंस की खूब तारीफ हुई है. अब देखना दिलचस्प होगा कि थलापति की फिल्म आने वाले दिनों में बॉक्स ऑफिस पर कैसा प्रदर्शन करती है. वेंकट प्रभु द्वारा निर्देशित, गोट में विजय डबल रोल प्ले कर रहे हैं. उनके अलावा फिल्म में प्रशांत, प्रभुदेवा, मोहन, स्नेहा, जयराम, लैला, मीनाक्षी चौधरी और अजमल अमीर जैसे कलाकार शामिल हैं. गोट का म्यूजिक युवान शंकर राजा ने तैयार किया है.

कंगना रनौत की फिल्म इमरजेंसी जल्द सिनेमाघरों का रुख करेगी

भाजपा सांसद और अभिनेत्री कंगना रनौत इन दिनों फिल्म इमरजेंसी को लेकर सुर्खियां बटोर रही हैं।उनकी यह फिल्म 6 सितंबर को सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली थी, लेकिन केंद्रीय फिल्म प्रमाणन बोर्ड (सीबीएफसी) से प्रमाणपत्र न मिलने के मिलने के कारण ऐसा नहीं हो पाया।ताजा खबर यह है कि भारी विरोध के बीच इमरजेंसी को सेंसर बोर्ड से हरी झंडी मिल गई है। इस फिल्म को सेंसर बोर्ड की तरफ से यू/ए सर्टिफिकेट मिल गया है।

यू/ए सर्टिफिकेट मिलने का मतलब यह है कि इस फिल्म को हर उम्र के लोग देख सकते हैं और 12 साल से कम उम्र के बच्चों को किसी व्यस्क के साथ फिल्म देखनी होगी। फिल्म की नई रिलीज तारीख का ऐलान जल्द हो सकता है।हालांकि, यू/ए सर्टिफिकेट मिलने के साथ इमरजेंसी पर सेंसर बोर्ड की कैंची भी चली है। ये फिल्म कई कट और बदलावों के बाद सिनेमाघरों में रिलीज की जाएगी।

रिपोर्ट के मुताबिक, सेंसर बोर्ड ने फिल्म से एक सीन में कुछ दृश्यों को हटाने की सलाह दी है। इसमें पाकिस्तानी सैनिकों को बांग्लादेशी शरणार्थियों पर हमला करते हुए दिखाया गया है।सेंसर ने निर्माता को फिल्म में एक नेता की मौत के जवाब में भीड़ में से किसी के अपशब्द बोलने को बदलने के लिए भी कहा।इसके अलावा सीबीएफसी ने फिल्म में एक डायलॉग में इस्तेमाल किए गए सरनेम को बदलने का भी निर्देश दिया है।

शिरोमणि अकाल दल और सिख गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी ने फिल्म पर पूरी तरह से प्रतिबंध लगाने की मांग की है।इमरजेंसी पर सिख समुदाय को हत्यारा दिखाने का आरोप लगाया है। यह फिल्म 1975 में देश में लगी इमरजेंसी और उस वक्त की प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी की एक सिख द्वारा की गई हत्या को दिखाती है।इमरजेंसी में श्रेयस तलपड़े, महिमा चौधरी, सतीश कौशिक और अनुपम खेर जैसे कलाकार नजर आने वाले हैं।

पहले कदम की सफलता से हासिल मंजिल

अमिताभ स.

सयाने बताते हैं कि मंज़िल पर पहुंचने से पहले घर की चौखट से पहला कदम तो बाहर निकालना ही होगा। बिल्कुल वैसे ही जैसे डॉक्टर, वैज्ञानिक, इंजीनियर, चार्टेड एकाउंटेंट या कारोबारी बनने से बहुत पहले हरेक को कच्ची और पहली कक्षा से लाजमी पास होकर ही जाना पड़ता है। बावजूद इसके लोग सोचते- सोचते ही कितना समय गवां देते हैं कि छोटी शुरुआत करने से भला क्या होगा?

शुरुआत न करने की ऐसी बहानेबाजी मन में लाना व्यर्थ है। बड़ा शुरू करने की प्रतीक्षा करने के बजाय छोटी शुरुआत करना समझदारी है, ताकि बड़ा हासिल किया जा सके क्योंकि छोटी-सी शुरुआत भी बड़े परिणाम दिलाने का दमखम रखती है। इसलिए बेशक छोटी शुरुआत करें, पर करें जरूर। जब हम छोटे-छोटे कामों की कड़ियों को सिलसिलेवार पिरो कर देखते हैं तो जान जाते हैं कि मामूली और छोटे कदम ही बड़ी सफलता की राह खोलते हैं। अर्जेंटीना के विख्यात फुटबॉल खिलाड़ी लियोनेल मेस्सी अक्सर बताते हैं, 'मुझे रातोंरात सफलता हासिल करने में 17 साल और 114 दिन का समय लगा।' तय है कि एक ही झटके में किसी को भी बुलंदी हरगिज हासिल नहीं होती।

सद्गुरु जग्गी वासुदेव कहते हैं, 'कोई आप से परफेक्ट होने की उम्मीद नहीं कर रहा है, पर क्या आप बेहतर होने की लगातार कोशिश कर रहे हैं। बस यही मायने रखता है।' रोमन दार्शनिक टाइटस लुकीशस कारस तो दो टूक कहते हैं कि कुछ नहीं से तो कुछ भी नहीं रचा जा सकता। तय है कि अच्छा अंत करने से ज्यादा आसान है, अच्छी शुरुआत करना। जाहिर है कि एक नन्हे-से बीज में सुंदर बगीचा बनाने का दमखम होता है।

एक बच्ची तट पर बैठी थी। समुद्र में लहरें उफान मार रही थीं। एक ऊंची लहर ने ढेरों मछलियां तट पर ला पटकी। तड़पती मछलियां देख बच्ची से रहा नहीं गया। वह एक-एक मछली उठाकर समुद्र में फेंकने लगी। तभी वहां से एक राहगीर गुजरा। वह बच्ची के करीब गया और बोला, 'बेटी, ऐसा करने से भला क्या फर्क पड़ेगा? पूरे तट पर तो हजारों मछलियां तड़प रही हैं।' बच्ची एक और मछली उठा कर समुद्र में फेंकते हुए बोली, 'अंकल, इस एक को तो बड़ा फर्क पड़ेगा।'

यह भी उतना ही सच है कि अगर आप अपने काम से प्यार करते हैं, तो बेशक छोटी शुरुआत करें, आप निश्चित ही कामयाब होंगे। दूसरे शब्दों में कहें तो अपना छोटे से छोटा हर काम पूरे शौक से कीजिए। देखा गया है कि अपने शौक को ही पेशा बनाना सर्वश्रेष्ठ नतीजे देता है। इससे अपार सफलता, संतोष और खुशी मिलती है।

इसीलिए बड़ा या छोटा जो भी काम करें, सदा लगन और समर्पण से करें। जाने-माने उद्यमी बिल गेट्स यूं समझाते हैं, 'यदि क्षणिक सुख चाहते हैं तो गाने सुन लें, लेकिन अगर जिंदगी भर सुख चाहते हैं तो अपने काम में लग जाएं और उससे प्यार करें।' और अगर काम पसंद का नहीं है तो किसी भी उम्र में बदलने में हर्ज नहीं है। जाहिर है कि किसी और की पसंद का काम करने का मतलब खुद के व्यक्तित्व को व्यर्थ जाने देना है। बार-बार समझाया जाता है कि कोई काम छोटा या बड़ा नहीं होता। बड़ा अवसर वही है, जहां आप अभी हैं। दिल से हर काम में इतना लीन हो जाना चाहिए कि खाना, पीना और आराम तक भूल जाएं। ऐसा करते-करते उन्नति के रास्ते खुलते जाते हैं और कामयाबी की रफ्तार बढ़ जाती है।

ओशो की राय है, 'हर इनसान को अपने स्वभाव और अभिरुचि के मुताबिक काम करना चाहिए और जीना चाहिए। जैसे आपकी प्रकृति है, उसे स्वीकार करें। हर इनसान के अपने गुण हैं, अपनी शक्ति है, अपनी ऊर्जा है। अतः अपने सामर्थ्य को पहचानिए।' जब हम अनमने काम में जुटे हों और करते-करते ऊब जाएं, तब खुद को ऐसे काम में व्यस्त कर लें, जिसे दिल से करना चाहते हैं। फिर आप ऐसी खुशी से लबालब हो उठेंगे, जो कभी आपकी हो नहीं सकती थी।

कहीं देर न हो जाए- कहते तो हैं, लेकिन जीवन की राह पर, न से कहीं भली है देर। हिंदी कहावत 'देर आए, दुरुस्त आए' के भी यही मायने हैं। स्वामी विवेकानंद यूं समझाते हैं, 'सफलता हासिल न हो तो फिक्र मत करो। नाकामियों से सबक़ लेकर संघर्ष करते रहो।' वे आगे कहते हैं, 'उठो, जागो और तब तक न रुको, जब तक मंज़िल हासिल न हो जाए।' हमेशा लंबी असफलता के बाद बड़ी सफलता मिलती ही है।

मानव कल्याण ही धर्म का अंतिम लक्ष्य

सीताराम गुप्ता

कहा गया है कि धर्म एव हतो हंति धर्मो रक्षति रक्षित: अर्थात् मरा हुआ धर्म मारने वाले का नाश करता है और रक्षित किया हुआ धर्म अपने रक्षक की रक्षा करता है। सामान्य जीवन में भी यदि कोई किसी व्यक्ति का वध कर देता है तो मृतक पक्ष के लोग उसका वध करने के लिए पागल हो उठते हैं और कई बार परस्पर प्रतिशोध लेने का ये सिलसिला कई पीढ़ियों तक चलता रहता है। यदि हम किसी व्यक्ति की सहायता करते हैं या किसी के जीवन की रक्षा करते हैं तो वो भी हमारी सहायता करने अथवा हमारे जीवन की रक्षा करने के लिए हमेशा तत्पर रहता है। धर्म की भूमिका भी बिल्कुल ऐसी ही होती है। धर्म की रक्षा करने अथवा एक बार स्वयं में धर्म स्थापित करने के उपरांत धर्म सदैव हमारी रक्षा करता रहता है।

इसी प्रकार से यदि हम सुरक्षा के नियमों का पालन करते हैं तो वे नियम हर हाल में हमारी सुरक्षा करने में सक्षम होते हैं लेकिन यदि हम सुरक्षा के नियमों को तोड़ते हैं तो हमारा जीवन संकट में पड़ जाता है। कई बार हम देखते हैं कि किसी नदी अथवा झील के किनारे बोर्ड लगा होता है कि यहां नहाना अथवा पानी में जाना मना है। यदि हम इस नियम का पालन करते हैं तो ये नियम हमारी रक्षा करता है लेकिन यदि हम इस नियम को तोड़कर पानी में चले जाते हैं तो बहुत संभव है कि हम डूब जाएं। धर्म की भी बिल्कुल ऐसी ही स्थिति होती है।

यदि हम धर्म का पालन करते हैं तो धर्म हमारी हर प्रकार से रक्षा करता है लेकिन यदि हमसे धर्म का पालन करने में चूक हो जाती है तो वही धर्म हमारे पतन अथवा विनाश का कारण बन जाता है।

प्रश्न उठता है कि मरे हुए धर्म से क्या तात्पर्य है और रक्षित किया हुआ धर्म कैसे हमारी रक्षा करता है? इन प्रश्नों के उत्तर देना सरल है, यदि हम धर्म को समझ लें। धर्म क्या है? धर्म की अनेकानेक व्याख्याएं व परिभाषाएं मिलती हैं। धर्म स्वभाव को भी कहते हैं। इस दृष्टि से हमारा व्यवहार भी धर्म ही हुआ। लेकिन हर प्रकार का व्यवहार धर्म कैसे हो सकता है? वास्तव में हमारा अच्छा व्यवहार व हमारी अच्छी आदतें ही वास्तविक धर्म है।

धैर्य, क्षमा, दम (संयम), चोरी न करना, शुचिता (स्वच्छता), इंद्रिय-संयम, बुद्धि, विद्या, सत्य और अक्रोध (क्रोध न करना) ये दस गुण ही धर्म के महत्त्वपूर्ण लक्षण माने गए हैं। कुछ अन्य परिभाषाओं में धर्म के इन लक्षणों के अतिरिक्त अन्यान्य लक्षणों की चर्चा भी की गई है। कहा जाता है कि जिसे धारण किया जाए वही धर्म है। यदि व्यक्ति ने इन विभिन्न लक्षणों को धारण किया है तभी वह धार्मिक है अन्यथा नहीं।

नि:संदेह, स्वयं में अच्छी आदतें विकसित करना ही धर्म है। देश व काल के अनुसार इन आदतों में अंतर भी हो सकता है लेकिन जो अच्छी आदतें नहीं हैं, जिनसे हमारा व्यवहार दूषित या विकृत होता है, उन्हें धर्म में सम्मिलित नहीं किया जा सकता। धर्म केवल सद्गुणों का समुच्चय ही हो सकता है। यदि हमारे किसी कार्य से चाहे वो कितना भी अच्छा क्यों ना हो, दूसरों के विकास में बाधा उत्पन्न होती है अथवा अन्य किसी भी प्रकार से दूसरों को पीड़ा पहुंचती है तो उसे धर्म की श्रेणी में नहीं रखा जा सकता। इस दृष्टि से किसी का जी न दुखाना भी धर्म है।

कर्मकांड अथवा प्रतीक धर्म नहीं होते। ये तो मात्र हमें स्मरण कराने का माध्यम होते हैं कि हमें इनसे जुड़े उदात्त जीवन मूल्यों का पालन करना है। जब हम किसी की पूजा अथवा आराधना करते हैं तो धर्म यही है कि हम अपने आराध्य के गुणों को जीवन में उतारें। जब हम ऐसा नहीं करते तो धर्म पाखंड बन जाता है और ऐसा धर्म अथवा पाखंड हमारी रक्षा नहीं करता। धर्म के किसी भी लक्षण को ले लीजिए। यदि हम उसकी रक्षा नहीं करेंगे अथवा उसे अपने व्यवहार में नहीं लाएंगे तो वो लक्षण नष्ट हो जाएगा और उसके स्थान पर जो उसका विपरीत लक्षण अथवा दुर्गुण होगा प्रकट होने लगेगा और हमारा विनाश कर डालेगा। हम धर्म के एक लक्षण अस्तेय अथवा चोरी न करने की बात करते हैं। यदि हम अपने आचरण में दृढ़तापूर्वक इस लक्षण को विकसित नहीं करेंगे तो स्वाभाविक है कि हममें चोरी की आदत विकसित हो जाएगी। चोरी की आदत हमारा पूरी तरह से विनाश भी कर सकती है।

सद्गुणों अथवा धर्म का पालन करने में कुछ कठिनाइयां उत्पन्न हो सकती हैं लेकिन इससे उसी अनुपात में हमें संतुष्टि भी मिलती है लेकिन धर्म का पालन न करने पर हम सदैव असंतुष्ट व तनावयुक्त रहेंगे जो हमारे स्वास्थ्य के लिए भी घातक होगा।

बॉक्स ऑफिस पर स्त्री 2 की आंधी बरकरार

निर्माता अपनी फिल्म की रिलीज को लेकर काफी तैयारियां करते हैं। वहीं, किसी खास अवसर पर तो सिनेमाघरों में फिल्मों की भरमार देखने को मिलती है। ऐसा ही कुछ पिछले महीने स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर भी हुआ। न सिर्फ हिंदी बल्कि साउथ की फिल्मों से भी सिनेमाघर गुलजार नजर आए। 15 अगस्त को साउथ में डबल इस्मार्ट, तंगलान और मिस्टर बच्चन तो वहीं हिंदी में स्त्री 2, खेल-खेल में और वेदा रिलीज हुईं। हालांकि, अधिकांश फिल्में दर्शकों का दिल जीतने में असफल रहीं, जिसके कारण यह अब सिनेमाघरों से हट चुकी हैं। वहीं, स्त्री 2 इन सभी फिल्मों को धूल चटाकर बॉक्स ऑफिस पर अपनी पकड़ बनाई हुई है। स्त्री 2 का निर्देशन अमर कौशिक ने किया है। कहानी की बात करें तो इस बार चंदेरी गांव सिरकटे के आतंक का सामना कर रहा है। मैडॉक फिल्म्स और जियो स्टूडियो के जरिए निर्मित इस फिल्म की कहानी नीरेन भट्ट ने लिखी है, जो दर्शकों को काफी ज्यादा पसंद आई है। मैडॉक सुपरनैचुरल यूनिवर्स की इस पांचवीं किस्त में कलाकारों का प्रदर्शन शानदार रहा है। दर्शकों को यह फिल्म कितनी पसंद आई है, इसका अंदाजा तो इसके बॉक्स ऑफिस कलेक्शन से ही लगाया जा सकता है।

श्रद्धा कपूर और राजकुमार राव अभिनीत फिल्म स्त्री 2 बॉक्स ऑफिस पर राज कर रही है। तकरीबन 60 करोड़ रुपये के बजट में बनी इस फिल्म ने कमाई के कई रिकॉर्ड तोड़ दिए हैं। यह न सिर्फ अपने साथ रिलीज हुई सभी फिल्मों पर भारी पड़ी है, बल्कि कुछ बहुचर्चित और ब्लॉकबस्टर फिल्मों का भी रिकॉर्ड ध्वस्त करती नजर आई है। स्त्री 2 बॉलीवुड की पहले दिन सबसे ज्यादा कमाई करने वाली हॉरर कॉमेडी फिल्म है। इसने 51.8 करोड़ रुपये के साथ अपना खाता खोला था।स्त्री 2 ने बाहुबली 2 को पीछे छोड़ दिया है। बाहुबली 2 का यह रिकॉर्ड पिछले 7 साल में किसी फिल्म ने नहीं तोड़ा था। अक्षय कुमार, दर्शकों के मनोरंजन के लिए एक के बाद एक फिल्में लेकर आ रहे हैं लेकिन उन्हें सफलता मिलती नहीं दिख रही है। खिलाड़ी कुमार ने स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर अपनी फिल्म खेल खेल में को रिलीज करने की ठानी, जिसका नतीजा सबके सामने है। मुदस्सर अजीज के निर्देशन में बनी यह 100 करोड़ी फिल्म बॉक्स ऑफिस पर औंधे मुंह गिरी है। इटैलियन फिल्म परफेक्ट स्ट्रेंजर्स की आधिकारिक हिंदी रीमेक खेल खेल में में अक्षय कुमार के साथ-साथ वाणी कपूर, तापसी पन्नू, एमी विर्क, प्रज्ञा जायसवाल, फरदीन खान और आदित्य सील जैसे सितारे मुख्य भूमिका में हैं।

वरुण धवन-सामंथा रुथ प्रभु की सिटाडेल हनी बनी को मिली रिलीज तारीख

बॉलीवुड एक्टर वरुण धवन और सामंथा रुथ प्रभु स्टारर मोस्ट अवेटेड प्राइम वीडियो सीरीज सिटाडेल हनी बनी की रिलीज डेट का एलान हो गया है। इसी के साथ सीरीज से एक वरुण और सामंथा का एक धांसू पोस्टर शेयर कर टीजर भी जारी किया गया है। टीजर में वरुण और सामंथा को गोलियां बरसाने के साथ-साथ फुल ऑफ एक्शन मोड में देखा जा रहा है।

सिटाडेल: हनी बनी के टीजर में सीरीज की स्टारकास्ट के चेहरे भी सामने आ चुके हैं। इसमें केके मेनन, सिंकदर खेर, फिल्म कबीर सिंह में शाहिद कपूर के दोस्त बने सोहम कपूर, एस्पिरेंट सीरीज के शिवाकिंत सिंह परिहार, साकिब सलीम, काश्वी मजूमदार और सिमरन ऋषि बग्गा अहम रोल में दिख रहे हैं । साथ ही वरुण धवन और सामंथा रुथ प्रभु के अलग-अलग अवतार देखने को मिल रहे हैं। टीजर में वरुण-सामंथा के बीच रोमांस भी देखा जा रहा है।

हाल ही में सिटाडेल: हनी बनी के मेकर्स ने 1.08 तारीख को शेयर किया था और दर्शकों को बेचैनी में छोड़ा था। वहीं, बाद में बताया गया है कि सिटाडेल: हनी बनी की रिलीज डेट का इस दिन एलान किया जाएगा। बता दें, सिटाडेल: हनी बनी आगामी 7 नवंबर 2024 को प्राइम वीडियो पर स्ट्रीम होने जा रही है।

रूसो ब्रदर्स सिटाडेल: हनी बनी को बनाया है। सिटाडेल: हनी बनी रूसो ब्रदर्स के विदेशी प्रोजेक्ट सिटाडेल का इंडियन वर्जन है। सिटाडेल में प्रियंका चोपड़ा ने अहम रोल प्ले किया था। सिटाडेल: हनी बनी के डायरेक्टर राज एंड डीके हैं, जो इससे पहले फैमिली मैन बना चुके हैं।

वैधानिक सूचना

सुविज्ञ पाठकों से आग्रह है कि इस समाचार पत्र में प्रकाशित किसी भी विज्ञापन में दिए गए तथ्यों, शर्तों और दावों के प्रति वह खुद भी आश्वस्त हो लें। पाठकों से आग्रह है कि वह प्रकाशित विज्ञापन से प्रभावित होकर कोई कदम उठाने से पहले अपने स्तर पर भी स्वयं के संतुष्ट होने तक संपूर्ण व्यावहारिक जानकारी कर लें। भविष्य में किसी भी प्रकाशित विज्ञापन व लेख में निहित दावों या शर्तों को लेकर पाठकगण को कोई असुविधा या परेशानी होती है तो *सांध्य दैनिक दून वैली मेल* के मुद्रक, प्रकाशक या सम्पादक की कोई जवाबदेही नहीं होगी।

–प्रबंधक विज्ञापन

ब्रेकफास्ट छोड़ दिया तो कभी कम नहीं होगा वजन, इस बात में कितनी सच्चाई ?

ज्यादातर लोगों का मानना है कि कम खाने से वजन कम होता है। यही कारण है कि बहुत से लोग ब्रेकफास्ट या दिन की कोई मील छोड़ देते हैं। हालांकि, तरीका बिल्कुल गलत है। अगर आप फिट रहने या वजन घटाने के लिए सुबह का नाश्ता छोड़ते हैं तो इसका शरीर पर गलत असर पड़ता है।

वेट लॉस के लिए कोई भी मील कभी नहीं स्किप करना चाहिए। इससे शरीर में माइक्रोन्यूट्रिएंट्स की कमी हो सकती है और कई बीमारियां पैदा हो सकता हैं। ऐसा करने से मेटाबॉलिक डिसऑर्डर की वजह से वजन घटने की बजाय बढ़ भी सकता है। आइए जानते हैं पूरा सच।।।

वजन कम करने के लिए ब्रेकफास्ट जरूरी होता है

एक स्टडी के अनुसार हैवी ब्रेकफास्ट और लाइट डिनर फिट रखने में मदद कर सकता है। यह मोटापे और ब्लड शुगर को भी रोक सकता है। एक्सपर्ट्स का कहना है कि ब्रेकफास्ट का मतलब आपका रातभर का फास्ट टूटना ही चाहिए। दिन का पहला मील बाकी से काफी ज्यादा महत्वपूर्ण होता है। इससे शरीर को फ्यूल मिलता है और वह दिनभर आसानी से काम कर सकता है। ब्रेकफास्ट भरपेट करना चाहिए और हमेशा इसमें मैक्रोन्यूट्रिएंट्स से भरपूर चीजें भी होनी चाहिए।

ब्रेकफास्ट छोडने़ से वजन बढने़ लगता है

जब हम डिनर के बाद सोते हैं तो सुबह तक 10-12 घंटे का फास्ट हो जाता है। इस समय शरीर को खाने की जरूरत होती है, ताकि पूरे दिन के लिए एनर्जी मिल जाए। हमारा ब्रेकफास्ट ही तय करता है कि हमारा दिन कैसा जाएगा। शरीर का एनर्जी लेवल क्या और कितना होगा। आजकल काम के प्रेशर और जल्दबाजी के चक्कर में बहुत से लोग नाश्ता छोड़ देते हैं। उन्हें लगता है कि इससे वजन भी कम होता है लेकिन ऐसा करने से वजन घटने की बजाय बढ़ सकता है।

ब्रेकफास्ट में फल, सलाद, स्मूदी से घटा सकते हैं वजन

एक्सपर्ट्स का कहना है कि लोगों को लगता है कि ब्रेकफास्ट उनके वजन घटाने के रास्ते में आता है, इसलिए वे इसे स्किप करना शुरू कर देते हैं और इसकी जगह फल, सलाद या स्मूदी लेने लगते हैं। उन्हें लगता है कि इससे पोषण की भरपाई हो जाएगी और वजन तेजी से कम होगा लेकिन यह गलत तरीका है, मेन मील छोडने़ से न सिर्फ माइक्रोन्यूट्रिएंट्स की कमी होगी, बल्कि हार्ट डिजीज,डायबिटीज, मोटापा, हाई ब्लड प्रेशर, स्ट्रोक, एलडीएल कोलेस्ट्रॉल का खतरा बढ़ सकता है।

विश्वक सेन ने किया नई फिल्म वीएस13 का ऐलान

मास का दास विश्वक सेन ने अपने 13वें प्रोजेक्ट की घोषणा की है, जिसका संभावित नाम वीएस13 है, जिसका प्री-लुक पोस्टर पहले ही काफी चर्चा में है। एसएलवी सिनेमा के सुधाकर चेरुकुरी द्वारा निर्मित यह फिल्म एक राजनीतिक एक्शन ड्रामा होगी, जो गांव की पृष्ठभूमि पर आधारित होगी। नवोदित श्रीधर गंटा द्वारा लिखित और निर्देशित, वीएस13 प्रभावशाली उत्पादन मानकों के साथ एक विशिष्ट फिल्म होने का वादा करती है।

प्री-लुक पोस्टर में विश्वक सेन को एक तनावपूर्ण दृश्य में एक आईपीएस अधिकारी के रूप में दिखाया गया है, जो एक झुकी हुई व्यवस्था को तोडने़ से इनकार करने पर प्रकाश डालता है। एक आकर्षक टैगलाइन, हर क्रिया एक प्रतिक्रिया को जन्म देती है के साथ, फिल्म में जाने-माने अभिनेताओं और शीर्ष श्रेणी के तकनीशियनों का मिश्रण होगा। सिनेमैटोग्राफी किशोर कुमार द्वारा संभाली जाएगी, जबकि संगीत अजनीश लोकनाथ द्वारा रचित होगा, जो कंतारा पर अपने काम के लिए जाने जाते हैं।

वीएस13 को एसएलवी सिनेमा से प्रोडक्शन नंबर 8 के रूप में चिह्नित किया गया है, जिसने दशहरा जैसी बड़ी ब्लॉकबस्टर फिल्में दी हैं। फिल्म को उच्च बजट पर बनाया जाएगा, जिससे उच्च उत्पादन मानकों को सुनिश्चित किया जा सकेगा। इस बहुप्रतीक्षित परियोजना के बारे में आगे की जानकारी समय रहते सामने आ जाएगी।

विश्वक सेन की अगली फिल्म वीएस13 उनके करियर की एक दिलचस्प परियोजना होने की उम्मीद है।

शब्द सामर्थ्य - 70

(भागवत साहू)

बाएं से दाएं

1. जीत, फतेह 3. राशन सामान बेचने वाली एक जाति, वैश्य 6. मुर्गी की जाति की एक पक्षी, आधा... आधा बटेर 7. कमल, पंकज, भारत के एक दिवंगत प्रधानमंत्री का नाम 8. नहाने का स्थान, स्नानागार 10. ख्वाब, स्वप्न 12. बुलावा, निमंत्रण 14. तबाही, बर्बादी 17. कत्ल, वध 18. क्षतिपूर्ति, मुआवजा 19. करार, चैन, आराम 21. दृष्टि, निगाह 23. नाश करने योग्य 24. लाडला, प्यारा 25. सीताजी, जनकनंदनी।

ऊपर से नीचे

1. शादी, ब्याह 2. अनाथ, निराश्रित 3. साल, वर्ष 4. दोस्ताना, यारी 5. सुर, देव, भगवान 9. मनुष्य, इंसान, आदमी 11. पाटा जाना, चुकता करना, बात तय करना 12. कार्यक्षेत्र, गोल घेरा, वृत्त 13. अधीनता, मातहती, अधिकार 15. नगर 16. गैरजरूरी 20. दृष्टांत, सुपुर्दगी, उदाहरण 22. धरती, भूतल, धरातल।

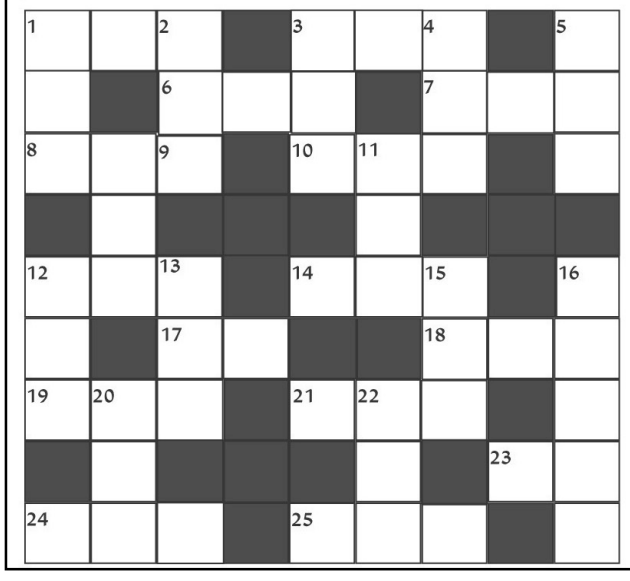

शब्द सामर्थ्य क्रमांक 69 का हल

अं	त	■	म	री	ज	■	■	■
ग	ह	न	ता	■	ब	र	ब	स
■	की	■	धि	क्का	र	■	र	मा
■	का	■	का	■	द	वा	खा	ना
प	त	वा	र	■	स्त	र	■	■
ह	■	■	■	■	■	दा	मि	नी
ना	■	ए	ह	ति	या	त	■	लां
वा	च	क	■	हा	■	■	खू	ब
■	■	ता	ब	ड़	तो	ड़	■	र

फरहान अख्तर ने किया भारत-चीन युद्ध पर बेस्ड नई फिल्म 120 बहादुर का ऐलान

एक्टर, डायरेक्टर और प्रोड्यूसर फरहान अख्तर ने अपनी नई फिल्म का एलान किया है। फरहान अख्तर की नई फिल्म एक रियल वॉर बेस्ड फिल्म है, जिसका टाइटल है 120 बहादुर। फरहान अख्तर ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर नई फिल्म का एलान करते हुए इसका मोशन पोस्टर भी जारी किया है। फिल्म 120 बहादुर की कहानी क्या है? कौन इस फिल्म को डायरेक्ट करेगा? फिल्म की स्टारकास्ट में कौन-कौन शामिल है आइए जानते हैं।

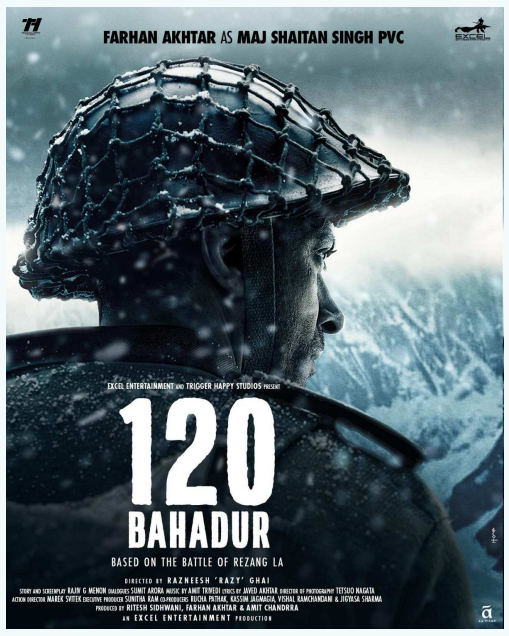

फरहान अख्तर ने अपनी नई फिल्म का एलान कर लिखा है, जो उन्होंने हासिल किया, उसे कभी भुलाया नहीं जा सकेगा, मेरे लिए यह एक बड़े ही गौरव और सम्मान की बात है कि मैं आपको आदरणीय परम वीर चक्र से सम्मानित मेजर शैतान सिंह और चार्ली कंपनी, 13 कुमाऊं रेजिमेंट के सैनिकों की कहानी प्रस्तुत कर रहा हूं, 18 नवंबर 1962 को भारत-चीन युद्ध के दौरान लड़ी गई प्रसिद्ध रेजांग ला की लड़ाई, यह हमारे वीर सैनिकों की अद्वितीय वीरता, अदम्य साहस और निस्वार्थता की कहानी है, हम अत्यंत आभारी हैं कि इस अद्भुत वीरता की गाथा को पर्दे पर लाने में हमें भारतीय सेना का समर्थन और पूर्ण सहयोग प्राप्त हुआ।

फिल्म 1962 के भारत-चीन युद्ध को दिखाएगी। बता दें, इस जंग में हमारी हार हुई थी। भारत-चीन युद्ध में चीन के 3 हजार सैनिकों के सामने भारत के 120 बहादुरों सैनिकों ने जमकर लोहा लिया था।

फिल्म 120 बहादुर को रजनीश रजी घई डायरेक्ट करने जा रहे हैं। फिल्म की स्टोरी और स्क्रीनप्ले राजीव जी मेनन ने किया है। फिल्म के डायलॉग लिखने का काम सुमित अरोड़ा ने किया है। फिल्म में अमित त्रिवेदी का म्यूजिक होगा। वहीं, फिल्म के गाने फरहान अख्तर के गीतकार पिता जावेद अख्तर लिखने जा रहे हैं। फिल्म के प्रोड्यूसर रितेश सिधवानी, फरहान अख्तर और अमित चंद्रा हैं। फिल्म की स्टारकास्ट और इसकी रिलीज डे का भी खुलासा नहीं किया गया है।

चार बीवियों के चक्कर में फिर फंसेंगे कपिल शर्मा

कपिल शर्मा की फिल्म 'किस किसको प्यार करूं' आज से करीब नौ साल पहले 2015 में रिलीज हुई थी। इस फिल्म में कपिल शर्मा की कॉमेडी और उनकी एक्टिंग को खूब प्यार मिला था। फिल्म को लोगों ने खूब पसंद किया था और यह कपिल शर्मा के करियर की पहली फिल्म थी। इस फिल्म में एक हीरो और उसके साथ चार महिलाओं की लव स्टोरी को दिखाया गया था। इस फिल्म के जरिए डेविड धवन की फिल्मों को श्रद्धांजलि दी गई थी। अब खबर आ रही है कि इस फिल्म का सीक्वल बनने जा रहा है।

रिपोर्ट की मानें तो कपिल शर्मा की कॉमेडी फिल्म 'किस किसको प्यार करूं' का दूसरा पार्ट आने जा रहा है। पोस्ट के जरिए पता चला है कि इस फिल्म में भी कपिल शर्मा और उनकी चारों पत्नियों की दिलचस्प कॉमेडी होने वाली है। हालांकि कहानी क्या होगी और फिल्म कब रिलीज होगी इस बात की तो अभी घोषणा नहीं हुई है। लेकिन अगर इस रिपोर्ट की माने तो यह तो तय है कि इस फिल्म का सीक्वल बनने जा रहा है।

बता दें कि 'किस किसको प्यार करूं 2' के जरिए निर्माता रतन जैन और अब्बास मस्तान फिर से साथ आने वाले हैं। अनुकल्प गोस्वामी के डायरेक्शन में बनी इस सीक्वल में कपिल शर्मा फिर से अपनी कॉमेडी के जरिए सभी को हंसाते हुए नजर आने वाले हैं। खबर तो यह भी है कि इस फिल्म की फिल्मिंग इस साल के लास्ट तक शुरू हो जाएगी। इस फिल्म में अब्बास मस्तान अपनी क्रिएटिविटी के जरिए जान डालेंगे। वहीं कपिल शर्मा इस कॉमिक स्पेस में एंट्री के बाद काफी खुश हैं और उनको इसकी स्क्रिप्ट काफी पसंद आई है। फिल्म की कास्टिंग पर अभी काम चल रहा है। खबर है कि पहले पार्ट की तरह दूसरे पार्ट में भी कपिल शर्मा के साथ कई सारी एक्ट्रेस नजर आने वाली हैं। जब कास्टिंग पूरी हो जाएगी तो इस साल के लास्ट तक 'किस किसको प्यार करूं 2' की शूटिंग शुरू हो जाएगी और अगले साल तक यह फिल्म बॉक्स ऑफिस पर रिलीज हो सकती है। हालांकि अभी तक मेकर्स की ओर से 'किस किसको प्यार करूं 2' को लेकर किसी भी तरह का कोई अपडेट सामने नहीं आया है।

शो जीजी मां की टीम के साथ फिर से जुड़ीं अभिनेत्री भाविका शर्मा

गुम है किसी के प्यार में की अभिनेत्री भाविका शर्मा जीजी मां टीम के साथ फिर से जुड़ गई हैं। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म इंस्टाग्राम पर 1.4 मिलियन फॉलोअर्स वाली भाविका ने स्टोरी सेक्शन में तन्वी के जन्मदिन के जश्न के वीडियो शेयर किए। क्लिप में हम तन्वी को ऑफ-शोल्डर ब्लैक लेस गाउन पहने हुए देख सकते हैं, और उन्होंने हल्के मेकअप के साथ अपने लुक को पूरा किया है।

भाविका ने गोल्डन और ब्लैक स्ट्रिप वाली शर्ट ड्रेस पहनी हुई है। वीडियो में तन्वी को बर्थडे केक काटते और अपने दोस्तों के साथ पोज देते हुए देखा जा सकता है, जिसमें अभिनेता दिशांक अरोड़ा और जीवांश चड्ढा शामिल हैं। स्टार भारत पर प्रसारित जीजी मां में तन्वी, दिशांक, भाविका और शुभाशीष झा हैं। मुंबई की रहने वाली भाविका ने 17 साल की उम्र में टेलीविजन शो में काम करना शुरू कर दिया था। उन्होंने 2015 में परवरिश-सीजन 2 से रिया गुप्ता का किरदार निभाते हुए अपनी शुरुआत की थी। भाविका को जीजी मां में नियति और ये इश्क नहीं आसान में मौसमी के रूप में देखा गया था।

वह पिछली बार कॉमेडी एक्शन शो मैडम सर में दिखाई दी थीं, जो सोनी सब पर प्रसारित हुआ था। जय प्रोडक्शंस द्वारा निर्मित यह शो जय मेहता द्वारा निर्मित है। इस शो में गुलकी जोशी, युक्ति कपूर, प्रियांशु सिंह और सोनाली नाइक मुख्य भूमिका में हैं। दूसरी ओर तन्वी ने 2016 में जी टीवी के मेरी सासू मां में बबीता शर्मा का किरदार निभाकर अपने करियर की शुरुआत की थी। इसके बाद डोगरा एक भ्रम..सर्वगुण संपन्न और संतोषी मां - सुनाएं व्रत कथाएं जैसे शो में दिखाई दीं।

वह वर्तमान में शो परिणीति में नजर आ रही हैं। बालाजी टेलीफिल्म्स के बैनर तले एकता कपूर और शोभा कपूर द्वारा निर्मित इस शो में आंचल साहू, तन्वी और अंकुर वर्मा मुख्य भूमिका में हैं। यह कलर्स टीवी पर प्रसारित होता है।

भाविका शर्मा ने अपने टेलीविजन करियर की शुरुआत 2015 के टीवी शो परवरिश सीजन 2 से की थी। इस शो में उन्होंने रिया गुप्ता की भूमिका निभाई थी। वह 2017 से 2018 तक टीवी सीरियल जीजी मां में नियति की भूमिका में दिखाई दी थीं।

इसके बाद वह सोनी सब के टीवी सीरियल मैडम सर में कांस्टेबल संतोष शर्मा के किरदार में नजर आईं थीं। उनकी इस भूमिका ने उन्हें काफी लोकप्रियता मिली थी। वह 2023 से स्टार प्लस के टीवी शो गुम है किसी के प्यार में आईपीएस सावी चव्हाण की मुख्य भूमिका निभा रही हैं। इस भूमिका से उन्हें काफी लोकप्रियता मिली थी। (आरएनएस)

जैकलीन फर्नांडीज का व्हाइट मोनोकिनी अवतार हुआ वायरल

जैकलीन फर्नांडीस अपनी अदाओं से लोगों का दिल जीत लेती हैं। आय दिन अपने स्टाइलिश लुक और कातिलाना अदाओं से वे अपने फैंस को अपना और भी दीवाना बना लेती है।

बॉलीवुड की खूबसूरत अभिनेत्री जैकलीन फर्नांडीज हमेशा ही अपने स्टाइलिश लुक के लिए जानी जाती हैं। हाल ही में उन्होंने अपने इंस्टाग्राम पर कुछ बेहद हॉट और बोल्ड तस्वीरें शेयर की हैं, जिन्होंने उनके फैंस को दीवाना बना दिया है। इन तस्वीरों में जैकलीन फर्नांडीज व्हाइट मोनोकिनी में किसी बीच पर छुट्टियां मनाते हुए नजर आ रही हैं। उनके खुले बाल और कैजुअल मेकअप उनके लुक को और भी आकर्षक बना रहे हैं। व्हाइट कलर की मिनी फ्रॉक पहने जैकलीन फर्नांडीस समुंदर किनारे धूप का लुत्फ उठाती दिखीं। कुर्सी पर बैठे, सनग्लासेस लगाए वे खूब जच रही थीं।

जैकलीन ने सिर पर हैट लगाकर और हाथ में किताब लेकर पोज दिए। इस दौरान वे लेटी नजर आईं।

जैकलीन समुंदर के पानी में डूबकर पोज देती भी दिखीं। बंद आंखे, भीगे बाल और धूप की किरणें उन्हें और भी खूबसूरत बना रही थीं।एक्ट्रेस समुंदर के पानी में नहाती नजर आईं। ऐसे में उन्होंने खूब फोटोशूट भी कराया। इस दौरान उन्हें पानी से खेलते भी देखा गया। एक्ट्रेस की इन तस्वीरों पर फैंस खूब प्यार लुटा रहे हैं। एक फैन ने तो लिखा- मर्मेड पानी से बाहर आ गई है। जैकलीन ने अपनी फुल फोटो भी शेयर की है। इसमें वे रेत पर पैर उठाकर चलती दिख रही हैं।जैकलीन ने इन तस्वीरों में बेहद कातिलाना पोज दिए हैं, जिन्होंने उनके फैंस का दिल जीत लिया है।

जैकलीन की ये तस्वीरें सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रही हैं और उनके फैंस इन पर जमकर लाइक्स और कमेंट्स कर रहे हैं। फैंस उनकी खूबसूरती की तारीफ करते नहीं थक रहे हैं। (आरएनएस)

सरकारी धन का दुरुपयोग सच्चे शिक्षक को क्षोभ

शंकर शरण

एक नेता ने तैश से कहा- आप ने इतनी पुस्तकें प्रकाशित की हैं। मगर उस में काम की कितनी हैं? सरकारी धन का ऐसा दुरुपयोग! उन का अंदाज देख हर सच्चे शिक्षक को क्षोभ होगा।ञ्कभी एक नेता ने ताना दिया- देश की एकता के लिए साहित्यकारों ने क्या किया है?' इस पर वात्स्यायन जी ने कहा था- देश की एकता छिन्न-भिन्न करने के लिए नेताओं ने क्या नहीं किया है?' आज के नेताओं से वही पूछने की जरूरत है कि शिक्षा में कूड़ा-कचरा, प्रोपेगंडा जमाने के लिए उन्होंने क्या नहीं किया है!

कुछ पहले एक ऐतिहासिक अकादमिक संस्थान में भाषण देते हुए एक नेता ने तैश से कहा- आप ने इतनी पुस्तकें प्रकाशित की हैं। मगर उस में काम की कितनी हैं? सरकारी धन का ऐसा दुरुपयोग! उन का अंदाज देख हर सच्चे शिक्षक को क्षोभ होगा। क्योंकि स्वतंत्र भारत में नेताओं, दलों ने ही राजकीय संसाधनों का अतुलनीय दोहन किया है। इसे सभी दलों के कार्यकर्ता मामूली अगर-मगर से मानते हैं। बल्कि, उन में अंदरूनी मार-पेंच तक उसी दोहन में हिस्से-बखरे की है।

दूसरे, उन नेता की अपनी बिरादरी ने ही अकादमिक संस्थाओं को क्रमशः तेजी से स्तरहीन, और बदहाल बनाया है। अनूठी संस्थाओं को भी बेसिर रख कर बरसों-बरस अपने हाल पर छोड़ दिया है। ऐसा व्यवहार अंग्रेज प्रशासक कभी नहीं करते थे!

सोचिए, जो अपने लिए एक और भाषण-भवन फौरन बनवा लेते हैं, वे देश के अनूठे ऐतिहासिक संस्थानों को छीजने छोड़ देते हैं। मानो मरम्मत हो या न, वह रहे या गिरे, बला से! यह कोई अपवाद नहीं। वस्तुतः शिक्षा-संस्कृति से ही जुड़े स्थानों, कामों पर एकाधिकार कर जैसै-तैसे करना, न करना, या उन की मिट्टी पलीद होने देना - यह नेताओं की एक संकीर्ण बिरादरी का सिग्नेचर व्यवहार? रहा है।

लेकिन यह तो छोटे पाप हैं! जिस में सभी दल शामिल हैं। नेताओं का सब से बड़ा अपराध है- शिक्षा को राजनीतिक कीचड़ से लिथेड़ देना। संस्थानों को दलीय? राजनीति और हिस्से-बखरे के अड्डे बना देना। उन की स्वायत्तता और आत्मा नष्ट करते जाना। विद्वानों को अपदस्थ करते हुए संस्थाओं को एक्टिविस्ट और क्लर्क जैसे लोगों से भर देना। शिक्षकों, विद्यार्थियों को नेताओं, उन के एजेंटों, ठेकेदारों के अज्ञान और क्षुद्र मंसूबों से चलाना। नेताओं के चित्र-विचित्र भाषण न केवल शिक्षकों को जबरन सुनाना, बल्कि छात्रों तक भी पहुँचाने का दबाव रखना! अनर्गल नारों, चालू घटनाओं, मुहावरों पर सेमिनार, प्रदर्शनी करने का हुक्म देना। उस पर करोड़ों रूपयों और हजारों लोगों के समय व ऊर्जा की बरबादी कर, वही सब शैक्षिक' क्रियाकलाप मानने का चलन बनाना। अर्थात नकली, व्यर्थ कामों से समाज को मानसिक दुर्बल, भ्रष्ट, और लाचार बना देना। चाहे उन्हें इस का बोध हो या नहीं।

सो, जब जिस दल गुट का दौर-दौरा, उस की ऊल-जुलूल बातों, घोषणाओं को शिक्षकों, छात्रों के गले उतारना। इस तरह, पूरी की पूरी पीढ़ियों के स्वच्छ, विश्वासी माथे में महान साहित्य, ज्ञान, और? सदविचारों के बदले विषैली दलबंदी, विभाजक ईर्ष्या-द्वेष, और फूहड़ प्रोपेगंडा उतारना।

यह स्वतंत्र भारत में आरंभ से ही चला। क्रमशः कुरूपतर होता। फलतः आज लाखों-लाख शिक्षितों में तथ्य और राय, फैक्ट या ओपीनियन में अंतर कर सकने की समझ नहीं। बचपन से ही तरह-तरह से नेताओं की नियमित पूजा देखते-सुनते सत्य और प्रोपेगंडा में अंतर करने की उन की क्षमता लुप्तप्राय हो चुकी है।

देश के जनगण पर ऐसा मानसिक घात देसी नेताओं का किया हुआ है। अंग्रेजों ने तो दुनिया भर के सर्वश्रेष्ठ साहित्य और सच्चे विद्वानों, शिक्षकों से हमारी शिक्षा को पोषित किया था। उसी को हर तरह से प्रोत्साहित किया था। यह हमारे देसी नेता थे, जिन्होंने अपने-आप को, रोज बात बदलने वाले नेताओं को मनीषियों से ऊपर रखने की समाजघाती रीति बनाई। अल्पज्ञ नेताओं के मामूली भाषणों, रोजमर्रा टिप्पणियों को मँहगी जिल्दों में प्रकाशित कर विशेष ज्ञान सामग्री के रूप में स्थापित कराया! जबकि अंग्रेज ऐसा फूहड़ काम, अपने वायसराय या प्रधानमंत्री के भाषणों, आदि का संग्रह बनाते तक नहीं थे - थोपना तो दूर रहा! उन्होंने भारत में अनेक शानदार पुस्तकालय बनाए, जिन में दुनिया भर के ज्ञान-ग्रंथ लाकर रखे। उन्नीसवीं और बीसवीं सदी के पूर्वार्द्ध तक भारतीय विद्यार्थियों की कई पीढ़ियों ने उस से लाभ उठाया। उस से ही यहाँ अनेक महान चिंतक, वैज्ञानिक, कवि, विद्वान, आदि बने जिन का दुनिया में नाम हुआ। इस के विपरीत, स्वतंत्र भारत के शासकों ने अपने भाषण, उपदेश, चिट्ठियों, आदि के कलेक्टेड वर्क्स' को पुस्तकालयों में विशिष्ट स्थान दिया! देश-विदेश के महान दार्शनिकों, कवियों, लेखकों की सर्वोत्तम रचनाओं की कोई सुंदर जिल्द उपलब्ध कराने में उन की कभी कोई रुचि न थी। यह उन की बुद्धि से ही परे रहा कि यह भी कोई कर्तव्य हो सकता है!

आज स्थिति और बदतर हो रही। अब कथित नीतिगत दस्तावेज तक छापे नहीं जाते। लेकिन नेताई भाषणों की सालाना मोटी-मोटी जिल्दें बाकायदा छपती हैं। किन के लिए? अल्लाह जानता है! यह सार्वजनिक धन का सब से फूहड़, लज्जाजनक दुरुपयोग है, जिसे भाषणबाज लोग समझने में भी असमर्थ हैं।

इस तरह, शिक्षा का एकाधिकार लेकर नेताओं ने सब से मूल्यवान ज्ञान-सामग्री ही बच्चों, युवाओं तक पहुँचाना जरूरी न समझा। जो इसी आयु वर्ग के लिए स्वच्छ वायु और शुद्ध जल जैसा आवश्यक है! पर नेता अपने सीमित शब्दजाल और मन की तरंग को ही असल साहित्य समझने के आदी हैं। यह गाँधीजी से आरंभ हुआ, और आदर्श उदाहरण सा सब ने अपना लिया है। दुनिया के किसी अग्रणी देश में ऐसा नहीं है।

फलतः आज देश की सर्वोच्च विचार सभा - जो परिभाषा से ही विचारकों, नीतिज्ञों का स्थान था - उस की कौन? कहे, उच्चतम शैक्षिक-सांस्कृतिक संस्थानों में भी चिंतकों, ज्ञानियों को स्थान/अधिकार देने का चलन लुप्तप्राय हो गया है। सामाजिक मानविकी विषयों की पाठ्य-सामग्री मुख्यतः राजनीतिक मतवादों का प्रचार बन गई है। फलतः अब सच्चे लेखक और विद्वान की भूमिका नगण्य हो गई है। देश में साहित्यिक, वैचारिक पत्र-पत्रिकाओं की क्रमशः अवनति और निःशब्द लोप की दिशा भी उसी का परिणाम व प्रमाण है। यह अवनति चिन्तनीय भी नहीं! अब विकसित देश बन जाने का आसान नुस्खा आ गया है। नारे लगाइए, कीचड़ उछालिए, शेखी बघारिए, झूठ फैलाइए, और विश्वगुरु बन जाइए!

अतः शैक्षिक संस्थानों को दलबंदी के अड्डे बनाने, नेताओं को मनीषियों से ऊपर मानने, उन की बातों को समाज का दिशा-निर्देशक बताने, और अकादमिक क्षेत्र को लगुओं मुंशियों के हवाले करते जाने में एक तारतम्य है। किसी मामूली नेता द्वारा विशिष्ट अकादमिक संस्थान पर तानाकशी उसी का उदाहरण है।

आरंभिक नेताओं ने शैक्षिक योजनाओं और संस्थाओं में अपने हमख्यालों को प्रश्रय दिया। दूसरों ने अपनी चालीसा' लिखने वालों और नेटवर्किंग धंधेबाजों को बढ़ाया। सच्चे विद्वान, लेखक, कवि, आदि, जो वैसे ही बहुत कम होते हैं, उन का स्थान क्रमशः खत्म हो गया। यद्यपि स्कूल-कॉलेज व्यवसाय के रूप में चल और फैल? रहे हैं। डिग्री-डिप्लोमा भी बँट रहे हैं। तकनीकी विषयों में युवा तैयार होकर काम-धाम भी कर रहे हैं। पर यह सब भी निजी अध्यवसाय से अधिक हुआ। स्कूलों-विश्वविद्यालयों से अधिक महत्व अनायास कोचिंग-सेंटरों का हो जाना इसी का संकेत है। किस शिक्षा नीति' ने ऐसा लक्ष्य रखा था? यदि नहीं रखा था, तो यह कैसे हुआ?

आज देश में ज्ञान-विवेक, चिंतन-मनन और साहित्य का मैदान सूना हो रहा है। यह हमारे बौद्धिक दिवालियेपन का संकेत है कि आज भी रोज लॉर्ड मैकॉले को कोसने वाले सोचने की क्षमता नहीं रखते कि गत 77 सालों से हमारी नीति किस ने बनाई! क्या स्वतंत्र भारत की नीतियाँ अनाम कबन्ध बनाते रहे हैं?

गाली देने के लिए मैकॉले, और जयकारे के लिए ऐसे-ऐसे नेता जो टीवी पर कहते हैं कि अमुक दस्तावेज उन्होंने अभी पढ़ा नहीं', पर उस से भारत विश्वगुरु बन जाएगा! यह है अपने नारों से अपना माथा चकरा लेना। तभी मामूली नेता भी विद्वान से हिसाब माँगते हैं कि उन की पुस्तकों में काम की कितनी हैं?'

एक बार वात्स्यायन जी (अज्ञेय) ने ऐसे कटाक्ष का उत्तर दिया था। तब नेताओं का नारा था राष्ट्रीय एकता'। इसी से वे अपनी झक, और तरह-तरह की सतही, मिलावटी सामग्री शिक्षा में थोपते रहते थे। तो, कभी एक नेता ने ताना दिया- देश की एकता के लिए साहित्यकारों ने क्या किया है?' इस पर वात्स्यायन जी ने कहा था- देश की एकता छिन्न-भिन्न करने के लिए नेताओं ने क्या नहीं किया है?'

आज के नेताओं से वही पूछने की जरूरत है कि शिक्षा में कूड़ा-कचरा, प्रोपेगंडा जमाने के लिए उन्होंने क्या नहीं किया है! (ये लेखक के अपने विचार हैं)

सू- दोकू क्र. 70

9		8		1		7		
4		6			7		5	
	3			6		8		9
		3			1		6	
5			6			9		
		9		5			3	
3			7		9			1
	5			2		3	9	
1		4			8		7	

नियम

1. कुल 81 वर्ग है,जिसमें 9वर्गो का एक खंड बनता है।
2. हर खाली वर्ग में 1से 9 के बीच का कोई एक अंक भर सकते है।
3. बाएं से दाएं और उपर से नीचे के प्रत्येक कालम,कतार और खंड में 1से9अंक में से किसी भी अंक का इस्तेमाल एक बार ही कर सकते है।

सू-दोकू क्र. 69 का हल

7	5	6	4	1	2	8	3	9
3	4	8	6	7	9	2	1	5
1	2	9	5	3	8	7	4	6
2	8	1	9	5	6	4	7	3
6	9	7	2	4	3	5	8	1
5	3	4	7	8	1	9	6	2
8	7	2	1	6	5	3	9	4
4	6	5	3	9	7	1	2	8
9	1	3	8	2	4	6	5	7

पारंपरिक दलों का वर्चस्व टूटता

दो राज्यों में आए चुनाव नतीजों को जर्मनी में अगले साल होने वाले राष्ट्रीय चुनाव के लिए मजबूत संकेत समझा गया है। इस तरह फ्रांस के बाद अब जर्मनी में भी पारंपरिक दलों का वर्चस्व टूटता नजर आ रहा है।

जर्मनी के दो बड़े राज्यों में आए चुनाव नतीजों के उठे झटके पूरे यूरोप तक गए हैं। दोनों राज्यों में राष्ट्रीय सत्ताधारी गठबंधन में शामिल तीनों पार्टियों की बुरी हार हुई है, जबकि एक राज्य- थुरंगिया में धुर-दक्षिणपंथी पार्टी ऑल्टरनेटिव फॉर डॉयूशलैंड (एएफडी) पहले नंबर पर आ गई है। दूसरे राज्य सैक्सोनी में भी ये पार्टी पहले नंबर पर रही क्रिश्चियन डेमोक्रेटिक पार्टी से सिर्फ लगभग डेढ़ प्रतिशत वोटों से पीछे रहते हुए दूसरे स्थान पर रही। अन्य महत्त्वपूर्ण रुझान नई बनी वामपंथी पार्टी बीएसडब्लू का दोनों राज्यों में तीसरी सबसे बड़ी पार्टी बन जाना है। बीएसडब्लू ने पारंपरिक वामपंथी पार्टियों- सोशल डेमोक्रेट्स और डाइ लिंके को हाशिये पर धकेल दिया है। 22 सितंबर को जर्मनी के एक अन्य राज्य में चुनाव होने वाला है। जनमत सर्वेक्षणों के मुताबिक वहां भी इन्हीं दोनों राज्यों जैसा नतीजा रहने का अनुमान है। इन रुझानों को जर्मनी में अगले साल होने वाले राष्ट्रीय चुनाव के लिए मजबूत संकेत समझा जा रहा है। इस तरह फ्रांस के बाद अब जर्मनी में भी पारंपरिक दलों का वर्चस्व टूटता नजर आ रहा है। जर्मनी यूरोप

में सबसे बड़ी आबादी वाला देश है और यह वहां की सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था भी है।

स्वाभाविक रूप से जर्मनी से मिले संकेतों से पूरे यूरोप में हलचल मचेगी। कॉरपोरेट एवं वित्तीय क्षेत्र के लिए सबसे बड़ी चिंता की बात यह है कि ऐसी दो पार्टियां तेजी से उभर रही हैं, जो साढ़े तीन दशक से जारी नीतिगत आम सहमति को चुनौती देती रही हैं। ये दोनों पार्टियां यूक्रेन युद्ध के लिए अमेरिका को जिम्मेदार मानती हैं और रूस से निकट संबंध बनाने की पैरोकार हैं। उन्हें मिली सफलता को जर्मनी में तेजी से फैली युद्ध विरोधी भावना के इजहार के रूप में देखा गया है। समझा जाता है कि यूक्रेन युद्ध के बाद से जर्मनी में जारी ऊर्जा एवं औद्योगिक संकटों से परेशान मतदाताओं ने सत्ताधारी गठबंधन में शामिल दलों को इन चुनावों में दंडित किया है। साथ ही दोनों उभरी पार्टियां आव्रजन विरोधी हैं, हालांकि ऐसा करने के उनके तर्क अलग-अलग हैं। उनके इस रुख का भी व्यापक असर हुआ दिखता है। (आरएनएस)

दो दिन में धंस गई बाजार में बनाई गई टाइल्स रोड, हंगामा

हमारे संवाददाता

हरिद्वार। पुराना रेलवे रोड स्थित बाजार में दो दिन पूर्व बनाई सड़क क्षतिग्रस्त हो गई। गुस्साएं व्यापारियों ने नगर निगम अधिकारियों और ठेकेदार के खिलाफ जमकर नारेबाजी की। व्यापारियों ने घटिया निर्माण सामग्री लगाने का आरोप लगाया साथ ही फिर से दो दिन में सड़क बनाने की मांग की गयी।

प्रदर्शन के दौरान व्यापारियों ने कहा कि कुछ दिनों पहले रातों रात बजार की मेन रोड को बनाने के लिए तोड़ दिया गया था। जिसके बाद पिछले बुधवार को व्यापारी नगर निगम पहुंचे और एई से मिलकर तोड़ी गई सड़क की जगह तारकोल की सड़क बनाए जाने की मांग की। व्यापारियों के अनुसार मांग के बावजूद भी टाइल्स रोड बनाने का काम शुरू किया गया जिसका फिर व्यापारियों ने विरोध किया। व्यापारियों का कहना है कि व्यापारियों ने निगम अधिकारियों को बताया था कि अनाज मंडी और मेन बाजार होने के कारण इस मार्ग से लोडिंग वाहनों का आवागमन होता है और यहां टाइल्स रोड ज्यादा नहीं रुक पाएगी लेकिन इसके बाद भी टाइल्स रोड बनाई गई जिसका नतीजा यह हुआ कि सड़क दो दिनों में ही धंस गई। वहीं व्यापारियों ने नारेबाजी करते हुए निर्माण में घटिया सामग्री इस्तेमाल किए जाने का आरोप लगाया और सड़क को फिर से नए सिरे से बनाए जाने की मांग की। व्यापारियों ने कहा कि अगर सड़क का निर्माण फिर से शुरू नही होता तो वह बाजार की सड़क जाम कर धरने पर बैठेंगे। इस मौके पर आशु गुप्ता, अजरार, नदीम, अमित, राजीव, चांद, तोशिफ,सनी, हारून, रोबिन,आशिफ, सुंदर भटनागर, मुत्तलिब, वसीम आदि मौजूद रहे।

कैबिनेट मंत्री जोशी ने किया बहुउद्देशीय कैंप का शुभारंभ

संवाददाता

देहरादून। कैबिनेट मंत्री गणेश जोशी ने बहुउददेशीय कैंप का शुभाराम्भ किया।

आज यहां कैबिनेट मंत्री गणेश जोशी ने आज किशन नगर चौक स्थित आत्माराम धर्मशाला में आयोजित बहुउदेशीय कैंप का शुभारंभ किया। शिविर में श्रमिक कार्ड, आयुष्मान कार्ड भी बनाए गए साथ ही बड़ी संख्या में लोगों ने खून जांच भी कराई तथा रक्तदान शिविर में भी बढ़ चढ़कर लोगों ने हिस्सा लिया और स्वैच्छिक रक्तदान भी किया। कैबिनेट मंत्री गणेश जोशी ने कहा कि रक्तदान-जीवनदान हमारे जीवन और शरीर के संचालन में रक्त की अत्यंत महत्वपूर्ण भूमिका होती है। उन्होंने कहा कि एक यूनिट ब्लड से कई लोगों को लाभ मिलता है। आज जिस प्रकार घटनाएं हो रही है, ऐसे में यह एक बहुत बड़ा माध्यम है। कैबिनेट मंत्री गणेश जोशी ने रक्तदान के बारे में समाज में जागरूकता लाने और प्रत्येक स्वस्थ व्यक्ति को रक्तदान के लिए प्रेरित करने और लोगों को रक्तदान का महत्व समझेंगे और नियमित रूप से रक्तदान कर स्वस्थ समाज के निर्माण में योगदान देने की अपील भी की। इस अवसर पर मंडल अध्यक्ष प्रदीप रावत, निर्वतमान पार्षद नंदनी शर्मा, शक्ति केंद्र संयोजक संदीप बिट्टू, राकेश जोशी आदि उपस्थित रहे।

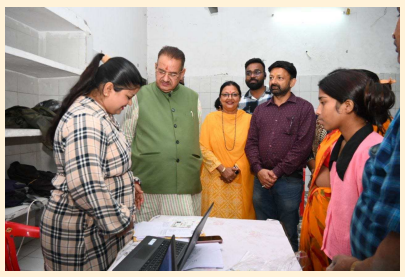

शातिर चोर गिरफ्तार, नगदी व दस्तावेज बरामद

हमारे संवाददाता

हरिद्वार। दुकान में हुई चोरी का खुलासा करते हुए पुलिस ने एक व्यक्ति को गिरफ्तार कर लिया है। जिसके कब्जे से चुरायी गयी नगदी व दस्तावेज बरामद किये गये है।

जानकारी के अनुसार बीते रोज राजा सिंह पुत्र रामपाल सिंह निवासी ग्राम डेलना थाना झबरेड़ा जिला हरिद्वार द्वारा थाना झबरेड़ा में तहरीर देकर बताया गया था कि 16 सितम्बर की रात में अज्ञात चोर द्वारा ग्राम डेलना में उनके घर की दीवार फांदकर दुकान के गल्ले से नगदी व दस्तावेज चोरी कर लिये गये है। मामले में पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर चोर की तलाश शुरू कर दी गयी। चोर की तलाश में जुटी पुलिस टीम द्वारा कड़ी मशक्कत के बाद घटना में शामिल आरोपी आदेश पुत्र नेपाल निवासी ग्राम डेलना थाना झबरेड़ा जनपद हरिद्वार को लोदीवाला गांव सरकारी ट्यूबवेल के पास से पकड लिया गया जिसके कब्जे से दुकान से चोरी की गई नगदी 2725 रूपये व आधार कार्ड बरामद किया गया है। बहरहाल पुलिस ने उसे न्यायालय में पेश कर जेल भेज दिया गया है।

सरकार अनिश्चितकाल तक निकाय चुनाव को टालना चाहती है: हरीश

विशेष संवाददाता

देहरादून। उत्तराखंड में निकाय चुनाव नवंबर में होंगे या नहीं होंगे यह तो आने वाला समय ही बताएगा लेकिन पूर्व सीएम हरीश रावत ने एक बार फिर भाजपा सरकार पर निकाय चुनावों को लंबे समय तक टालने का आरोप लगाते हुए कहा है कि अगर सरकार की मंशा चुनाव कराने की होती तो प्रवर समिति का गठन कर आरक्षण के मुद्दे को नहीं अटकाती।

हरीश रावत का आरोप है कि भाजपा निकाय चुनावों को लंबे समय तक लंबित रखना चाहती है। निकायों में प्रशासकों की नियुक्ति से पहले भी भाजपा के नेता समय पर निकाय चुनाव कराते रहे हैं। अब प्रशासकों की नियुक्ति के बाद उनकी समय सीमा को बार-बार बढ़ाया जा रहा है। कभी मतदाता सूचियों में संशोधन तो

❑संविधान को अपनी सुविधानुकूल बनाने का आरोप
❑प्रेमचंद अग्रवाल बोले- 10 नवंबर तक होंगे चुनाव

कभी आरक्षण के मुद्दे पर अंड़गा डाला जाता है। प्रवर समिति क्या करेगी? कब करेगी इसकी कोई जवाब नहीं है।

उन्होंने साफ कहा कि भाजपा निकाय चुनाव को अनिश्चितकाल तक लंबित रखना चाहती है। उनसे जब पूछा गया कि यह एक संवैधानिक व्यवस्था है चुनाव तो कराने ही पड़ेंगे फिर लंबित रखने के पीछे क्या कारण हैं। तो उन्होंने कहा कि भाजपा संवैधानिक व्यवस्था को अपने अनुकूल बनाने और चलाने में निपुण है वह संविधान के हिसाब से नहीं चलती उसकी कोशिश तो संविधान को अपने अनुकूल चलाने की रहती है।

हरीश रावत के बयान पर संसदीय कार्य मंत्री प्रेमचंद अग्रवाल का कहना है कि कांग्रेसी नेता क्या कहते या सोचते हैं यह उनकी अपनी सोच है सरकार की तरफ से चुनाव को टालने का कोई प्रयास नहीं किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि 10 नवंबर तक निकाय के चुनाव करा लिए जाएंगे तब तक सब कुछ साफ हो जाएगा। सभी मुद्दों का समाधान कर लिया जाएगा।

चरस के साथ दो गिरफ्तार

संवाददाता

देहरादून। पुलिस ने चरस के साथ दो लोगों को गिरफ्तार कर उनके खिलाफ मुकदमा दर्ज कर उनको न्यायालय में पेश किया जहां से उनको न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया।

प्राप्त जानकारी के अनुसार रायवाला थाना पुलिस ने मोतीचूर फ्लाईओवर के नीचे दो युवकों को संदिग्ध अवस्था में घुमते हुए देखा तो उनको रूकने का इशारा किया। पुलिस को देख वह भाग खडे हुए। पुलिस ने पीछा कर उनको थोडी दूरी पर ही दबोच लिया। तलाशी लेने पर पुलिस ने उनके कब्जे से 200 ग्राम चरस बरामद कर ली। पूछताछ में उन्होंने अपने नाम सोमवीर सैनी उर्फ मोहित सैनी पुत्र राजेश व मनीराम पुत्र शेर सिंह दोनों निवासी परमावाला थाना शेरकोट बिजनौर बताया। पुलिस ने दोनों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर उनको न्यायालय में पेश किया जहां से उनको न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया।

बाइक चोरियों का खुलासा एक गिरफ्तार, दो बाइक बरामद

हमारे संवाददाता

हरिद्वार। बाइक चोरी मामले का खुलासा करते हुए पुलिस ने एक शातिर को गिरफ्तार कर लिया है। जिसके कब्जे से दो बाइक बरामद की गयी है जिनमें से एक देहरादून के पटेलनगर क्षेत्र से चुरायी गयी थी।

जानकारी के अनुसार बीते रोज शुभम पुत्र ओमपाल निवासी ग्राम बुधवाशहीद थाना बुग्गावाला हरिद्वार द्वारा थाना बुग्गावाला में तहरीर देकर बताया गया था कि वह सुबह खेत मे काम करने गया था तथा उसने मोटर साईकिल को खेत मे ट्यूवेल पर खड़ी कर दी थी। जिसे किसी अज्ञात चोर द्वारा चोरी कर लिया गया है। मामले में पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर चोर की तलाश शुरू कर दी गयी। चोर की तलाश में जुटी पुलिस टीम द्वारा कड़ी मशक्कत के बाद देर रात हुसैन पुत्र मकसुद निवासी तेलपुरा थाना बुग्गावाला जनपद हरिद्वार को चोरी की मोटर साईकिल व एक अन्य मोटर साईकिल स्पलेन्डर बिना नम्बर जो की आरोपी द्वारा देहरादून से चोरी की गयी थी बुधवाशहीद पुल के पास से पकडा गया है। जिसे न्यायालय में पेश कर जेल भेज दिया गया है।

निर्माणाधीन फ्लाई ओवर में हुई चोरी का खुलासा, दो गिरफ्तार

हमारे संवाददाता

हरिद्वार। निर्माणाधीन फ्लाई ओवर में हाईवे निर्माण सामग्री चोरी होने का खुलासा करते हुए पुलिस ने दो लोगों को गिरफ्तार कर लिया है। जिनके कब्जे से चुराया गया सामान व चोरी में प्रयुक्त कार भी बरामद की गयी है।

जानकारी के अनुसार बीते 15 सितम्बर को थाना श्यामपुर क्षेत्रान्तर्गत रसियाबड़ नहर के पास नेशनल हाईवे-74 में 15 किमी. पर निर्माणाधीन फ्लाई ओवर पर हाईवे निर्माण सामग्री सरिया, जैक और चैनल आदि चोरी हो गये थे। जिस सम्बन्ध में सौरभ पुत्र राजवीर सिंह (मेकेनिकल सुपर वाइजर) निवासी ग्राम मानगडी तहसील अतरोली जिला अलीगढ, उत्तर प्रदेश हाल पता मैसर्स आशोक कुमार बेस केंप लालढांग रोड गैण्डीखाता जिला हरिद्वार, उत्तराखण्ड द्वारा थाना श्यामपुर हरिद्वार में मुकदमा दर्ज कराया

गया था। चोरों की तलाश में जुटी पुलिस टीम ने बीते रोज एक सूचना के आधार पर रसियाबड नहर पटरी पुल पर चैकिंग अभियान चलाया गया। इस दौरान पुलिस को एक संदिग्ध सिल्वर रंग की सेन्ट्रो कार खडी दिखी जिसमें दो लोग सवार थे। गाड़ी को चैक किया गया तो गाडी की पिछली सीट पर लोहे का सामान रखा हुआ था। पूछताछ में कार सवार लोगों ने अपना नाम जितेन्द्र सिंह पुत्र हरवीर सिंह निवासी ग्राम मुस्सेपुर तहसील नजीबाबाद थाना मण्ड़ावली जिला बिजनौर व इसरार पुत्र शमसीद निवासी ग्राम मिर्जापुर सैद तहसील नजीबाबाद थाना मण्ड़ावली जिला बिजनौर बताया। बताया कि उक्त सामान निमार्णाधीन फ्लाई ओवर से चुराया गया सामान है। बहरहाल पुलिस ने उनको न्यायालय में पेश कर जेल भेज दिया है।

एक नजर

लड़कियों के अपहरण की कोशिश कर रहे भाजपा नेता सहित 7 गिरफ्तार

हमारे संवाददाता

सहारनपुर। सरेराह दो लड़कियों के अपहरण की कोशिश कर रहे भाजपा नेता सहित दो लोगो को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। भाजपा नेता अपने छह साथियों के साथ दोनों लड़कियों को अपनी गाड़ी में जबरन बैठा रहा था। युवतियों के शोर मचाने पर आसपास के लोग मौके पर पहुंच गए। उसके बाद लोगों ने भाजपा नेता समेत उसके सहयोगियों को पकड़ लिया। बताया जा रहा है कि उसके बाद लोगों ने उन सब की जमकर पिटाई की और पुलिस को सौंप दिया।

मामला सहारनपुर जनपद के देवबंद कोतवाली के मीरगपुर गांव का है। इस मामले में शिकायत के आधार पर पुलिस ने भाजपा नेता के साथ ही उसके छह सहयोगियों के खिलाफ छेड़खानी व उससे संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज लिया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार देवबंद कोतवाली अंतर्गत मीरगपुर गांव की रहने वाली एक नाबालिक लड़की और एक शादीशुदा किसी काम से गई हुई थी। दोनों अपने घर वापस लौट रही थी इसी दौरान कार सवार लोगों ने उन्हें रोक लिया। कार में सात लोग सवार थे जिसमें भारतीय जनता पार्टी नेता राहुल वाल्मीकि भी मौजूद था। रोकने के बाद गाड़ी में सवार सभी लोग नाबालिक लड़की और युवती के साथ छेड़खानी करने लगे। इस दौरान उन दोनों लोगों ने छेड़खानी करने वालों का विरोध किया। सभी लोग नशे में थे और युवती तथा नाबालिक लड़की को पकड़ कर जबरन गाड़ी में बैठाने लगे। इस दौरान नाबालिक लड़की और युवती दोनों शोर मचाने लगी। आवाज सुनकर आसपास के लोग मौके पर पहुंचे और गाड़ी में सवार लोगों को पकड़ लिया। पकड़ने के बाद लोगों ने उन लोगों की जमकर पिटाई की। पिटाई करने के साथ ही लोगों द्वारा इसकी सूचना पुलिस को दी गई। सूचना मिलने के बाद पुलिस मौके पर पहुंची और पूरे मामले की जानकारी लेने के साथ ही पकड़े गए लोगों को थाने लेकर आई। बताया जा रहा है कि पुलिस ने भाजपा नेता राहुल वाल्मीकि और उसके सहयोगी विक्रांत, सुरजीत, उदय, रवि शंकर, विजय, सावन के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर ली है। पकड़े गए सभी लोग सहारनपुर के ही रहने वाले हैं। उनके खिलाफ पुलिस द्वारा आवश्यक कार्रवाई की जा रही है।

बीजेपी नेता राहुल गांधी को मारने की धमकी दे रहे हैं: अजय माकन

नई दिल्ली । लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी को बीजेपी नेताओं के द्वारा आतंकी कहने पर विपक्ष भड़क गया है। कांग्रेस सहित विपक्षी नेताओं ने बीजेपी के नेताओं पर निशाना साधा है। कांग्रेस नेता अजय माकन ने कहा, बीजेपी नेता राहुल गांधी को मारने की धमकी दे रहे हैं। राहुल गांधी के परिवार ने देश के लिए कुर्बानी दी है। बीजेपी ने भारत में राजनीति का स्तर गिरा दिया है। एक व्यक्ति ने नहीं, बल्कि कई बीजेपी नेता ने एक जैसी बात कही है। मतलब बीजेपी के सीनियर नेता का ही आदेश होगा। राहुल गांधी मरने की धमकी से डरने वाले नहीं हैं। माकन ने आगे कहा, बीजेपी के सहयोगी दल के विधायक ने राहुल की जुबान काटने वाले को 11 लाख देने की बात कही है। इस मुद्दे पर शिवसेना यूबीटी नेता संजय राउत ने कहा,श्बीजेपी राहुल पर हमला करना चाहती है। ये लोग राहुल को आतंकी कह रहे हैं। इसके पीछे साजिश है। सारा विपक्ष राहुल के साथ खड़ा है। बीजेपी डर गई है, इसलिए ऐसी भाषा बोल रही है। बता दें कि शिवसेना के विधायक संजय गायकवाड ने राहुल गांधी और कांग्रेस को लेकर विवादित बयान दिया है। उन्होंने चेतावनी देते हुए कहा था कि उनके कार्यक्रम में आने वाले कांग्रेसी... को वो दफना देंगे। इससे पहले संजय गायकवाड ने राहुल गांधी की जीभ काटकर वाले को इनाम देने की घोषणा की थी। शिवसेना विधायक के बयान से प्रदेश बीजेपी प्रमुख चंद्रशेखर बावनकुले ने पार्टी को अलग कर लिया था। उन्होंने कहा कि बीजेपी महायुति सरकार का घटक है। लेकिन मैं गायकवाड की टिप्पणियों का समर्थन नहीं करूंगा। कांग्रेस ने केंद्रीय मंत्री रवनीत बिट्टू, बीजेपी और शिवसेना के चार नेताओं के खिलाफ पुलिस में शिकायत दर्ज करवाई है। कांग्रेस नेता अजय माकन ने इन सबके खिलाफ दिल्ली के तुगलक रोड थाने में शिकाय दर्ज करवाई है।

राहुल को मारने की धमकी पर कांग्रेसी आग बबूला

विशेष संवाददाता

नई दिल्ली/देहरादून। भाजपा के सांसद व नेताओं द्वारा नेता विपक्ष राहुल गांधी पर की जाने वाली अभद्र टिप्पणियों व धमकियां दिए जाने को लेकर कांग्रेसी नेता आग बबूला है। इस मुद्दे को लेकर कांग्रेसियों ने नई दिल्ली स्थित भाजपा मुख्यालय पर जमकर बवाल काटा तथा दून सहित अन्य तमाम स्थानों पर भाजपा के खिलाफ जबरदस्त प्रदर्शन किया और पुतले फूंके हैं। यही नहीं इसे लेकर कांग्रेसियों ने मुंबई से लेकर दिल्ली और जयपुर तक भाजपा के नेताओं पर मुकदमे भी दर्ज कराए गए हैं।

उल्लेखनीय है कि भाजपा सांसद रवनीत बिट्टू ने राहुल गांधी को आतंकवादी और देश का दुश्मन बताया है। वही एक भाजपा नेता ने उन्हें यह कहकर जान से मारने की धमकी दी है कि राहुल तेरा भी वैसा ही हाल होने वाला है जैसा तेरी दादी का हुआ था। शिवसेना शिंदे गुट के विधायक संजय गायकवाड ने तो राहुल की जीभ काटकर लाने वाले को 11 लाख के इनाम की घोषणा कर दी गई। राहुल पर टिप्पणी करने वालों की लंबी

फेरहिस्त है लेकिन कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष ने इस बाबत पीएम मोदी को खत लिखकर इन नेताओं के खिलाफ

❑दून से लेकर दिल्ली तक कांग्रेसियों का प्रदर्शन
❑कांग्रेस ने चार भाजपा नेताओं पर केस दर्ज कराया

कार्यवाही की मांग की है, वही चार नेताओं के खिलाफ पुलिस में शिकायत दर्ज कराई गई है।

इस विवाद की जड़ में राहुल द्वारा अमेरिका दौरे के समय आरक्षण और सिख समुदाय को लेकर भारत की सामाजिक व्यवस्था व उसमें भय के माहौल को लेकर दिए गये बयान है। कांग्रेस का कहना है कि अगर राहुल ने ऐसा कुछ कहा है जो देशद्रोह की श्रेणी में आता है या आपत्तिजनक है तो भाजपा उन्हें गिरफ्तार कर जेल भेजे। इस तरह के आपत्तिजनक बयान दिया जाना गैरकानूनी है, असंवैधानिक है। कांग्रेस इसे कतई भी बर्दाश्त नहीं करेगी।

वहीं देहरादून में आज बड़ी संख्या में इस मुद्दे को लेकर कांग्रेसी सड़कों पर उतरे तथा भाजपा के खिलाफ प्रदर्शन किया। कांग्रेस का कहना है कि अपनी नैय्या डुबती देख भाजपा नेता बौखला गए हैं और अनर्गल बयान बाजी कर रहे हैं जिसे कांग्रेस कार्यकर्ता कतई बर्दाश्त नहीं करेंगे। प्रदर्शन करने वालों में मुख्य रूप से महानगर अध्यक्ष डॉ जसविंदर सिंह गोगी, प्रदेश उपाध्यक्ष पूरन सिंह रावत, प्रदेश महासचिव मनीष नागपाल, महानगर महिला कांग्रेस अध्यक्ष उर्मिला थापा , डॉ प्रतिमा ,आलोक मेहता, पूनम कडारी, गौरव शर्मा, मोहम्मद फारुख, वीरेंद्र पवार, अभिषेक तिवारी, शकील मंसूरी, उदय सिंह, मरगब आलम, संदीप जैन, इस्तवर, अनिफ, परवेज अंसारी, अरविंद गुरुंग, सुरेंद्र मेहरा, राज सहित कई अन्य लोग शामिल रहे।

दुष्कर्म का आरोपी गिरफ्तार

हमारे संवाददाता

पिथौरागढ़। शादी का झांसा देकर दुष्कर्म करने वाले आरोपी को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। जिसे न्यायालय में पेश कर जेल भेज दिया गया है।

जानकारी के अनुसार पीड़िता ने कोतवाली पिथौरागढ़ पुलिस को शिकायत दी थी कि आरोपी रविन्द्र कोठारी (29) पुत्र प्रकाश चन्द्र मूल निवासी ग्राम उड़ई देवलथल थाना व जिला पिथौरागढ़ हाल निवासी रई पिथौरागढ़ ने उसे शादी का झांसा देकर वर्ष 2022 से उसका कई बार शारीरिक शोषण किया। जब वह गर्भवती हो गयी तो आरोपी पीड़िता का बच्चा गिराने की बात कहकर उससे मारपीट भी करने लगा। मामले की गम्भीरता को देखते हुए पुलिस ने तत्काल मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी गयी। जिसे साक्ष्यों के आधार पर पुलिस ने बीती शाम गिरफ्तार कर लिया है।

मारपीट में तीन के खिलाफ मुकदमा दर्ज

संवाददाता

देहरादून। चूना भटटा अधोईवाला निवासी पवन मेंगवाल ने रायपुर थाने में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि वह घर के पास ही खडा था तभी वहां पर राकेश उर्फ टीकूं पुत्र रमेश निवासी सहस्त्रधारा रोड, शुभम पासी उर्फ मछी पुत्र रामजस निवासी गुजराडा मानसिंह व चांद कुमार उर्फ मून पुत्र जसवंत सिंह निवासी अधोईवाला वहां पर आये और उसके साथ गाली गलौच करने लगे उसने जब उनका विरोध किया तो उन्होंने उसके साथ मारपीट करनी शुरू कर दी। आसपास के लोग जब वहां पर पहुंचे तो वह उसको जान से मारने की धमकी देकर चले गये। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

दो हाथी दांत के साथ तीन वन्यजीव तस्कर गिरफ्तार

हमारे संवाददाता

देहरादून। उत्तराखंड एसटीएफ, यूपी एसटीएफ तथा वाइल्ड लाइफ क्राइम कस्ट्रोल ब्यूरो दिल्ली की टीम ने एक ज्वाइंट आपरेशन में बरेली क्षेत्र से तीन वन्य जीव तस्कारों को गिरफ्तार कर उनके कब्जे से दो हाथी दांत बरामद किए हैं। तस्करों के खिलाफ थाना सीवीगंज, बरेली में वन्यजीव अधिनियम के तहत मुकदमा दर्ज किया गया है।

उत्तराखंड एसटीएफ के एसएसपी नवनीत भुल्लर ने बताया कि एसटीएफ को उत्तराखण्ड और उत्तर प्रदेश के सीमावर्ती जनपदों में वन्यजीव अंगो की तस्करी का इनपुट मिल रहा था, जिस पर एसटीएफ की एक टीम को गोपनीय रुप से इस पर कार्यवाही हेतु लगाया गया था। इन तस्करों का भारी मात्रा में वनजीव अंगो के साथ बरेली में लोकेशन मिलने पर उत्तराखंड एसटीएफ के सीओ आरबी चमोला के नेतृत्व में उत्तराखण्ड एसटीएफ, यूपी एसटीएफ तथा डब्ल्यूसीसीबी दिल्ली की संयुक्त टीम ने बरेली के थाना सीवी गंज क्षेत्र में छापा मार कर तीन अन्तर्राज्यीय वनजीव तस्करों को गिरफ्तार किया गया। जिनके कब्जे से दो हाथी दांत (करीब सवा तीन फुट लंबाई के) बरामद किए गये है। भुल्लर ने बताया कि हाथी का शिकार कब, कहां और किस तरह किया गया, यह पूछताछ के बाद ही स्पष्ट हो सकेगा। उन्होंने बताया कि पकड़े गए तस्करों के खिलाफ थाना सीवीगंज जनपद बरेली में वन्यजीव अधि. (वाइल्ड लाइफ एक्ट) के तहत मुकदमा पंजीकृत कराया गया है। उन्होंने बताया कि गिरफ्तार तस्कर लम्बे समय से वन्यजीव अंगो की तस्करी में लिप्त थे। गिरफ्तार तस्करों के नाम आदित्य विक्रम पुत्र सत्येंद्र सिंह, निवासी मां वैष्णो कुंज, ग्रीन पार्क, थाना बारादरी, जनपद बरेली, उत्तर प्रदेश, नत्था सिंह पुत्र स्व. गुरदयाल सिंह निवासी गंगा बेहड़ फॉर्म, थाना मिगहसन, जिला लखीमपुर खीरी, उत्तर प्रदेश हाल नानकमत्ता गुरुद्वारा, थाना नानकमत्ता, जनपद उधम सिंह नगर व करण सिंह पुत्र स्व. सेवाराम निवासी, गली नंबर 1 मकान नंबर 3 थाना बारादरी, जनपद बरेली, उत्तर प्रदेश बताये जा रहे है।

आर.एन.आई.- 59626/94
स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक श्रीमती पुष्पा कांति कुमार द्वारा दिग्विजय सिनेमा बिल्डिंग घंटाघर, देहरादून से प्रकाशित तथा अवि प्रिंटर्स 21 ईसी रोड, देहरादून से मुद्रित।

प्रधान संपादक
कांति कुमार
संपादक
पुष्पा कांति कुमार
समाचार संपादक
आनंद कांति कुमार
कानूनी सलाहकार:
वी के अरोड़ा, *एडवोकेट*
बैजनाथ, *एडवोकेट*
कार्यालय: दिग्विजय सिनेमा बिल्डिंग देहरादून।
मो. 9358134808
नोट: सभी विवादों के लिये देहरादून न्यायालय ही मान्य होगा, प्रकाशित सामग्री के लिए प्रिंटर्स की कोई जिम्मेदारी नहीं होगी।